RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः283, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

अभ्यर्थिता वापसी के अंतिम दिन कुल 05 अभ्यर्थियों ने नाम लिया वापस 03

तेजस्वी सीएम चेहरा घोषित, पर वादों की 'माया' से ऊब चुकी है जनता ... 04

हुमा कुरैशी की नई फिल्म सिंगल सलमा का ऐलान सनी सिंह-श्रेयस तलपड़े संग करेंगी... 07

कांगड़ा में डंगे से टकराई वैन, दो मासूमों के सिर से उठा माता-पिता का साया

देहरादून (एजेंसी)। कांगड़ा-कछियारी बाइपास पर गुरुवार को एक हृदय विदारक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार मारुति वैन सड़क किनारे बने पत्थर के डंगे (दीवार) से जा टकराई, जिसमें एक दंपति की दर्दनाक मौत हो गई। इस भयानक टक्कर में उनके दो छोटे बच्चे बाल-बाल बच गए।

यह दुर्घटना दोपहर के समय हुई और टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह से

क्षतिग्रस्त होकर चकनाचूर हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि वाहन चालक ने वैन से नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। इस हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ यात्रा कर रहे दो बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में ले लिया है और घटना का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दुर्घटना किस वजह से हुई। दो जिंदगियां लीलने वाले इस हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैला दी है।

रूसी तेल खरीद घटा सकता है भारत!

- रिलायंस बोली- सरकारी गाइडलाइंस मानेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिफाइनर्स रूसी तेल के आयात को कम कर सकते हैं। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि रिफाइनिंग कंपनी रिलायंस सरकार की गाइडलाइंस के हिसाब से अपनी रूसी तेल की खरीदारी एडजस्ट करेगी। सरकारी कंपनियां भी शिपमेंट चेक कर रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत पर रूस से तेल खरीद बंद करने का दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने 22 अक्टूबर को रूसी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल पर सैंक्शंस भी लगाए हैं। ट्रम्प ने 19 अक्टूबर को दावा किया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की है, इसमें पीएम ने कहा कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। अगर वे ऐसा कहना चाहें कि नहीं बात हुई, तो उन्हें भारी टैरिफ चुकाना होगा और उन्हें वह नहीं करना होगा। इससे पहले यूरोपीय संघ ने रूसी एलएनजी के आयात पर भी पूरी तरह बैन लगा दिया था। वहीं ब्रिटेन ने भी पिछले हफ्ते रोसनेफ्ट और लुकोइल पर सैंक्शन लगाया था।

लुधियाना के एक घर में ब्लास्ट, 10 लोग झुलसे

- पटाखे फोड़ते वक्त पोटाश पर गिरी चिंगारी, धमाका हुआ; 5 बच्चे भी चपेट में आए

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में एक घर में रखे बारूद (पोटाश) में ब्लास्ट होने से करीब 10 लोग झुलस गए। इसकी चपेट में बाहर खेल रहे 4-5 बच्चे भी घायल हो गए। घर में ब्लास्ट होने से अंदर आग लग गई, जिससे वहां रखा सामान भी जलकर

खाक हो गया। वहीं ब्लास्ट की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग भी घरों से बाहर निकल आए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि घर के बाहर बच्चे पटाखे फोड़ रहे थे। उसकी चिंगारी घर में रखे बारूद तक चली गई, जिससे हादसा हुआ। मकान मालिक उस्मान खान रावण के पुतले बनाता था। इसके लिए ही घर में बारूद रखा था।

सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। वहीं झुलसे लोगों को पड़ोसियों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। घर में उस समय 2-3 बच्चे सहित 3 लोग मौजूद थे।

भाई दूज पर इससे बेहतरीन गिफ्ट कोई नहीं

60 साल बाद मिला 91 साल का भाई...रो पड़े सब

गुवाहाटी (एजेंसी)। दिवाली के बाद भाई दूज के अवसर पर घरवालों को एक बेहतरीन तोहफा मिला है। एक बूढ़े हो चुके भाई को उसका 91 साल का बड़ा भाई मिला है। 81 साल के छोटे भाई को कभी उम्मीद भी नहीं थी कि उसका यह बड़ा भाई इस जीवन में मिल पाएगा। बात कर रहे हैं नगा लीडर थुइंगलेंग मुइवा की, जो बरसों तक भूमिगत रहने के बाद पहली बार 22 अक्टूबर, 2025 को मणिपुर के उखरुल जिले में अपने पैतृक गांव सोमदल पहुंचे। हजारों की भीड़ ने उनकी घरवापसी पर जोरदार स्वागत किया। वह 1964 में अपने गांव से नगा आंदोलन के लिए निकले और ज्यादातर समय अंडरग्राउंड ही रहे। बीच में 1973 में वह कुछ देर के लिए गांव के बाहर बने एक चर्च में आए थे, मगर वह रुके नहीं थे। ऐसे में उनका गांव में आना करीब 61 साल बाद ही हुआ है।

1950 के दशक में शुरू हुआ था नगा आंदोलन- नगा विद्रोह 1950 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम के रूप में शुरू हुआ था। 1997 में भारत और मुइवा के समूह एनएससीएन (आई-एम) नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (इसाक-मुइवा) के बीच युद्धविराम के बाद से हिंसा कम हुई है, लेकिन अलग झंडे और संविधान की मांग को लेकर बातचीत अभी भी रुकी हुई है।

मुइवा ने किसे कहा था देशद्रोही

थुइंगलेंग मुइवा का जन्म 3 मार्च, 1934 में हुआ था। वह एक नगा राष्ट्रवादी राजनीतिज्ञ और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (आईएम) के महासचिव हैं। मुइवा नगा नेशनल काउंसिल (एनएनसी) में शामिल हो गए, जो नगालैंड को भारत से अलग करने के लिए अभियान चलाने वाला एक हथियारबंद समूह था। बाद में वे एनएनसी के महासचिव बने। जब एनएनसी नेताओं के एक समूह ने भारत सरकार के साथ 1975 के शिलांग समझौते पर हस्ताक्षर किए, तो मुविया और कुछ अन्य लोगों ने उन्हें देशद्रोही करार दिया।

बिहार महागठबंधन का बड़ा ऐलान

तेजस्वी सीएम तो सहनी डिप्टी सीएम पद के उम्मीदवार

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आज महागठबंधन ने सीटों के बंटवारे को लेकर जारी मतभेदों के बीच एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को औपचारिक रूप से अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित कर दिया है।

महागठबंधन में पिछले कुछ दिनों से सीटों के बंटवारे को लेकर काफी तनाव चल रहा था। इस तनाव को कम करने और गठबंधन में एकता सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने बुधवार को वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत को पटना भेजा था।

गहलोत ने राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि गठबंधन पूरी तरह से एकजुट है और चुनाव के लिए तैयार है।

अशोक गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले ही स्पष्ट कर दिया था, बिहार में महागठबंधन पूरी तरह से एकजुट है और मजबूती से चुनाव लड़ रहा है। गहलोत के इस ऐलान से न सिर्फ गठबंधन में एकजुटता का संदेश गया है, बल्कि पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों के बीच वीआईपी नेता मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम चेहरा बनाकर एक मजबूत राजनीतिक दांव भी खेला गया है।

28 अक्टूबर को संयुक्त घोषणा पत्र जारी करेगा महागठबंधन, राहुल और तेजस्वी करेंगे रैली- महागठबंधन 28 अक्टूबर को पटना में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना संयुक्त घोषणा पत्र जारी करेगा। पहले चरण के मतदान से पहले और उसके बाद दूसरे चरण की सीटों के लिए राहुल गांधी और तेजस्वी यादव संयुक्त रैलियों को संबोधित करेंगे। सूत्रों के अनुसार, प्रियंका गांधी वाड्रा और मल्लिकार्जुन खड़गे भी छठ पूजा के बाद 28 अक्टूबर से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे।

- छपरा में सीएम नीतीश बोले-

उन लोगों को वोट मत दीजिएगा, जो कोई काम नहीं करते हैं सिर्फ गड़बड़ करते हैं

छपरा, सारण (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को सारण के मांझी और मकेर में एनडीए कैंडिडेट्स के समर्थन में सभा की। सीएम ने जनता से जेडीयू प्रत्याशी रणधीर सिंह (मांझी) और मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल (एकमा) को जिताने की अपील की।

अपने 10 मिनट के भाषण में उन्होंने लोगों को जंगलराज की याद दिलाते हुए कहा, आप सब जानते हैं जब 2005 में हम लोगों की सरकार बनी तब से हम लोग विकास के काम में लगे हुए हैं, उसके पहले क्या स्थिति थी। पहले के हालात बहुत बुरे थे, लोग शाम के बाद घर से नहीं निकलते थे। शाम में लोग घर में बंद रहते थे। पहले वालों ने कोई काम नहीं किया है। उन्हें वोट मत दीजिएगा। हम लोगों को जिताएगा, विकास के काम लगातार होते रहेंगे।

बिहार के विकास का काम हो रहा है- मुख्यमंत्री ने आगे कहा, बिहार के विकास का काम हो रहा है, किसी भी प्रकार के डर या भय का वातावरण नहीं है। प्रेम और भाईचारे का माहौल है। पहले हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था, मंदिरों की घेराबंदी कर दी गई। पहले वाले सरकार ने कुछ नहीं किया। हम लोगों ने रोजगार और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया, नौकरी दी और बहाली की, लड़के और लड़कियों के लिए साइकिल और पोशाक योजना चलाई, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया गया, पहले स्वास्थ्य सेवा बहुत खराब थी।

फायर सर्विस में जल्द बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट

सीएम योगी का बड़ा फैसला

हर 100 किलोमीटर पर होगी ये खास सुविधा

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने कहा, प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक व जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबन्धन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए।

सीएम योगी अपने सरकारी आवास पर अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं व सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउण्ट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण व अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के उपरान्त विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 व राजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए

पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस-वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर फायर टेण्डर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन आवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारम्भ किया जा सके।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर अग्निशमन सेवाओं की समुचित जनशक्ति पहले ही तैनात की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर सर्विस जनता के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में त्वरित, कुशल और उत्तरदायी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।

मां ने अपने 3 बच्चों को पानी की टंकी में डुबोया, फिर कूदकर दे दी जान, 4 मौत से हड़कंप

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के बालोतरा जिले में गुरुवार को एक महिला ने कथित तौर पर अपने 3 बच्चों को पानी की टंकी में डुबो दिया। इसके बाद टंकी में कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने बताया, महिला और उसके 3 बच्चों के शव सुबह जसोल इलाके के टपरा गांव के पास एक खेत में उनके घर के पास बनी पानी की टंकी में मिले। सिवाना डीएसपी नीरज शर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक, ममता (32) पिछले दस दिनों से अपने परिवार के साथ कटाई के लिए अपने खेत पर रह रही थी। बुधवार रात खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गए थे। इसके बाद मां ममता कथित तौर पर अपने तीन बच्चों बेटे नवीन (7) और रुगाराम (4), और बेटी मानवी (6 महीने) को लेकर पानी की टंकी में कूद गई। गुरुवार सुबह ममता की सास ने उसे घर से गायब पाया, तो सब हैरान-परेशान हो गए। परिवार वालों ने उन्हें खोजना शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि उसने किनारे के पास ममता की चप्पलें देखीं। जब उसने अंदर देखा, तो उसने पानी में लाशें तैरती देखीं। महिला ने तुरंत गांव वालों और पुलिस को इस घटना के बारे में जानकारी दी।

नड्डा बोले- आरजेडी का मतलब है-रंगदारी, जंगलराज, दादागिरी

गोह में कहा-एनडीए के साथ विकास, महागठबंधन संग विनाश

पटना (एजेंसी)। एनडीए के बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। आज गुरुवार को औरंगाबाद के गोह में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जनसभा हुई। इस दौरान नड्डा ने कहा, आरजेडी का मतलब है- रंगदारी, जंगलराज, दादागिरी। जो लोग नौकरी के लिए जमीन ले लेते हैं, वो क्या आपको नौकरी देंगे? जो लोग मां-बहनों की इज्जत नहीं कर सकते, वो क्या आपको सुरक्षा देंगे। एनडीए के साथ विकास है। मेरा जन्म भी बिहार के पटना में हुआ है। मैंने बचपन के 20 साल बिहार में गुजारे हैं।

ओडिशा में इंस्टा-रील बनाते समय युवक ट्रेन से टकराया, मौत

मां के साथ मंदिर में दर्शन कर लौट रहा था, वीडियो बनाने ट्रैक के पास गया था

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले के जनकदेईपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को इंस्टाग्राम रील बनाते समय एक नाबालिग ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के समय मंगलाघाट निवासी यह लड़का अपनी मां के साथ दक्षिण काली मंदिर में दर्शन करके लौट रहा था। लौटते समय उसने रेलवे ट्रैक के

पास मोबाइल से वीडियो बनाने की कोशिश की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वह ट्रैक के बहुत करीब खड़ा था, तभी तेजी से आ रही ट्रेन ने उसे टक्कर मार दी,

हादसे के बाद रेलवे कर्मचारी और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। सरकारी रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा।

आसियान समिट में ट्रम्प से नहीं मिलेंगे मोदी

जयशंकर मलेशिया जाएंगे, कांग्रेस बोली- ट्रम्प से मिलने से बचना चाहते हैं

नई दिल्ली/कुआलालंपुर (एजेंसी)। आसियान समिट में मोदी-ट्रम्प की मुलाकात नहीं होगी। पीएम मोदी का

मलेशिया दौरा टल गया है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। पीएम इब्राहिम ने लिखा- आज पीएम मोदी का फोन आया। हमने भारत-मलेशिया के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। हमने इस दौरान आसियान समिट पर भी बात की। मोदी ने मुझे बताया कि वे इस समिट में ऑनलाइन हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी की जगह इस बार विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समिट में हिस्सा लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन आने पर ही प्लेटफॉर्म पर जाएंगे यात्री

पटना। छठ के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए पटना जंक्शन सहित राज्य के 25 बड़े स्टेशनों पर 40 हजार यात्रियों की क्षमता वाला होल्डिंग एरिया गुरुवार की रात तक बनकर तैयार हो जाएगा। यात्री इसमें बैठ कर ट्रेन का इंतजार करेंगे। ट्रेन आने पर ही प्लेटफॉर्म पर जाएंगे। होल्डिंग एरिया में ट्रेन स्टेटस डिस्प्ले बोर्ड, एनाउंसमेंट सिस्टम, पानी सहित अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। तीन शिफ्ट में कर्मचारी तैनात रहेंगे। ये बातें पूर्व मध्य रेल के जीएम छत्रसाल सिंह ने बुधवार को पाटलिपुत्र खेल परिसर स्थित वॉर रूम में छठ महापर्व की तैयारी को लेकर पत्रकारों से बातचीत में कहीं। इस वॉर रूम से सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से स्टेशनों की मॉनिटरिंग की जा रही है। ट्रेनों में 27 अक्टूबर तक नोरूम है, टिकट नहीं मिल रहा है, भास्कर के इस सवाल पर जीएम ने कहा कि दिल्ली सहित बड़े शहरों के स्टेशन पर अधिक भीड़ होने पर स्पेशल रैक चलाई जा रही है। लोगों को बिहार आने में दिक्कत नहीं हो रही है। पिछले साल से 7500 अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। पटना जंक्शन पर वाटर वेंडिंग मशीन हटाने के सवाल पर कहा कि आईआरसीटीसी को जिम्मेवारी दी गई है। इसे बहाल करने का निर्देश दिया गया है। जीएम ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान भीड़ पर नजर रखने के लिए अस्थायी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। वापसी में भी अधिक भीड़ रहने पर स्पेशल रैक चलेगी।

छठ महापर्व को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी

पटना। छठ महापर्व को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। 27 अक्टूबर को दिन के 12 बजे से शाम 7 बजे तक और रात 2 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 6 बजे तक अशोक राजपथ पर करगिल चौक से पूरब दीदारगंज तक गाड़ियां नहीं चलेंगी। अशोक राजपथ के सभी इंट्री प्वाइंट बंद रहेंगे। केवल खजांची रोड से पटना कॉलेज और साइंस कॉलेज कैंपस में पार्किंग के लिए छठव्रतियों की गाड़ियां जा सकेंगी। सिटी बसें करगिल चौक पर नहीं जाएंगी। गांधी मैदान या जीपीओ स्थित मल्टी मॉडल हब में पार्क होंगी। निर्माण कार्य से जुड़े वाहन भी शहर में नहीं चलेंगे। पटना जिले में मालवाहकों का प्रवेश नहीं होगा। बिहटा से पूरब आने वाले ट्रक कन्हौली मोड़ से बिहटा-सरमेरा पथ होते न्यू बाइपास में फतुहा ओवरब्रिज के पास आएंगे। ट्रैफिक कंट्रोल के लिए 5 ट्रैफिक डीएसपी, 11 थानेदारों और टीओपी प्रभारियों की तैनाती की गई है। करीब 5 हजार जवानों को भी लगाया गया है। जेपी सेतु पर 27 अक्टूबर को दिन के 2 बजे से शाम 7:30 तक, जबकि 28 अक्टूबर को सुबह 3 से 6 बजे पटना की ओर गाड़ियां नहीं आएंगी। इस अवधि में गांधी सेतु का प्रयोग कर सकेंगे। उधर, 27 अक्टूबर को दिन के 11 बजे से रात 8 बजे तक और 28 अक्टूबर की सुबह 2 से 9 बजे अटल पथ से जेपी सेतु/सोनपुर की ओर सामान्य वाहनों का परिचालन नहीं होगा। इस अवधि में इमरजेंसी वाहनों को सोनपुर, छपरा, हाजीपुर जाना हो वे अशोक राजपथ और रूपसपुर नहर रोड से रामजीचक आरओबी नीचे से जेपी सेतु होते जा सकते हैं।

राजद उम्मीदवार मुन्ना शुक्ला की बेटी को धमकी

हाजीपुर। वैशाली में लालगंज से RJD उम्मीदवार मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला को गोली मारकर हत्या करने की धमकी मिली है। एक अज्ञात व्यक्ति ने जिला पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर यह धमकी दी। धमकी देने वाले ने कहा कि शिवानी शुक्ला ने उसे रंगदारी नहीं दी है। यदि वह घटारो गांव आती हैं, तो उसे गोली मार दी जाएगी। धमकी देने वाले ने पुलिस को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उसे बचना है तो बचा लीजिए। अज्ञात व्यक्ति ने करताहा थानाध्यक्ष के मोबाइल नंबर पर भी फोन किया था। इस घटना के बाद पुलिस ने शिवानी शुक्ला की सुरक्षा बढ़ा दी है और उनकी सुरक्षा में एक गार्ड तैनात किया गया है। पुलिस अब फोन नंबर के आधार पर धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति की तलाश में जुट गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच जारी है। सदर एसडीपीओ 02 गोपाल मंडल ने इस संबंध में बताया कि कल पुलिस कंट्रोल रूम हाजीपुर और थाना अध्यक्ष करताहा को एक नंबर से धमकी मिली थी। उन्होंने बताया कि जिस नंबर से कॉल किया गया था, उस व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसडीपीओ ने यह भी बताया कि शिवानी शुक्ला RJD उम्मीदवार हैं और उन्हें जिला स्तर पर अंगरक्षक दल प्रदान किया गया है।

वैशाली में स्वतंत्रता सेनानी कामेश्वर शाह का निधन

हाजीपुर। देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी कामेश्वर शाह का गुरुवार को निधन हो गया। वे 103 वर्ष के थे। उन्होंने वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड के रामदौली टोला कर्मोपुर गांव (वार्ड 16) में अपनी पोती के घर पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी कामेश्वर शाह मधुबनी के निवासी थे। वे स्वर्गीय महादेव शाह के बेटे थे। बढ़ती उम्र में देखभाल की सुविधा के लिए वे करीब 15 सालों से अपनी पोती तुलसी देवी और दामाद गणेश प्रसाद शाह के साथ बिदुपुर के कर्मोपुर गांव में रह रहे थे। मृतक के पोती के पति गणेश प्रसाद शाह ने बताया कि उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे गांव में गम का माहौल बन गया। आसपास के गांवों से भी लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। परिजनों के मुताबिक, मृतक के सभी बेटे और पोते विभिन्न स्थानों पर रहते हैं, जिनके पहुंचने के बाद आज दोपहर करीब 11 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। कामेश्वर शाह के 4 बेटे, विश्वनाथ शाह, शशि शाह, विनोद शाह और रंजीत शाह हैं। उनके सभी बेटे अलग-अलग क्षेत्रों में निजी नौकरियों में कार्यरत हैं। परिवार के अनुसार, स्व. शाह अपने बड़े बेटे विश्वनाथ शाह की बेटी (यानी अपनी पोती) के यहां रहना पसंद करते थे। उन्हें यहां स्नेह और देखभाल मिली, जिसकी वजह से उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष यहीं बिताए। स्थानीय लोगों ने कहा कि कामेश्वर शाह ने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था और जीवनभर देश की सेवा को प्राथमिकता दी।उनके निधन से न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरा क्षेत्र एक सच्चे देशभक्त को खो देने के दुख में डूब गया है।

मुजफ्फरपुर में तमंचे पर डिस्को, युवक ने लहराया पिस्टल, बार बालाओं के साथ लगाए ठुमके

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में हाथ में पिस्टल लेकर बार बालाओं के साथ डांस करते हुए युवक का वीडियो सामने आया है। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भोजपुरी गानों पर युवक ने जमकर ठुमके लगाए। मामला सकरा थाना क्षेत्र के भरतीपुर गांव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई है। पिस्टल के साथ दिख रहा युवक पहले भी आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। अब फिर से हथियार के साथ उसका वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। युवक की पहचान और लोकेशन का पता लगाया जा रहा है। तकनीकी जांच और स्थानीय इनपुट के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश तेज कर दी है। पूर्वी डीएसपी-2 मनोज कुमार ने बताया कि एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें एक युवक बार बालाओं के साथ नाचते हुए हाथ में हथियार लिए नजर आ रहा है। छानबीन शुरू कर दी गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बैकफुट पर कांग्रेस, तेजस्वी होंगे महागठबंधन के सीएम फेस

गहलोत ने जॉइंट पीसी में किया ऐलान, सहनी डिप्टी सीएम, दूसरा उपमुख्यमंत्री कौन ये तय नहीं

एजेंसी, पटना

महागठबंधन में तेजस्वी यादव सीएम फेस होंगे। साथ ही दो डिप्टी सीएम, जिनमें से एक मुकेश सहनी होंगे। जबकि दूसरा डिप्टी सीएम दूसरे समाज से होगा। महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में अशोक गहलोत ने इसकी घोषणा की है। गुरुवार को पटना के मौर्या होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में गहलोत ने कहा, 'बीजेपी धनबल का इस्तेमाल कर चुनाव जीत रही है। हमने सीएम फेस की घोषणा कर दी है, अब एनडीए बताए कि उनका मुख्यमंत्री कौन होगा।' 'बीजेपी धनबल का इस्तेमाल कर के जीत रही है। चुनाव आयोग सरकार की कठपुतली बन चुका है।'

सीएम फेस के सवाल को हमेश टालती रही कांग्रेस अचानक से बैकफुट पर नजर आ रही है। एक सितंबर को वोटर अधिकार यात्रा के समापन में पहुंचे कांग्रेस के बड़े लीडर और एमपी के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा था, "मुख्यमंत्री उस पार्टी का बनेगा जिसे बहुमत मिलेगा। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है, कुछ जगहों पर यह है और कुछ जगहों पर नहीं है, इसलिए अगर हम तय कर देंगे कि

मुख्यमंत्री कौन बनेगा तो आप क्या करेंगे?" इससे पहले राहुल गांधी, सचिन पायलट, कृष्णा अल्लावरू जैसे कई नेता इस सवाल को टालते नजर आए थे।

सीएम-डिप्टी सीएम फेस साफ कियाः महागठबंधन में सीएम-डिप्टी सीएम फेस को लेकर लगातार बयानबाजी चल रही थी। कांग्रेस चुनाव बाद इस पर फैसला लेने की बात कह रही थी, लेकिन आज कांग्रेस के सीनियर लीडर अशोक गहलोत ने तेजस्वी को सीएम और मुकेश सहनी को महागठबंधन का डिप्टी सीएम फेस घोषित किया।

पार्टियों ने एकजुटता दिखाईः सीट शेयरिंग को लेकर महागठबंधन में तनातनी की खबरें थीं। आज महागठबंधन की सभी पार्टियां एक मंच पर आईं और मजबूती से चुनाव लड़ने की बात कही। सभी ने एकजुट होकर NDA से लड़ने की बात कही।

जंगलराज की छवि से निकलने की कोशिशः तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि, मैं करप्शन और लॉ-एंड-ऑर्डर से कभी समझौता नहीं करूंगा। अगर मेरी परछाई भी गलती करती है तो उसके खिलाफ भी एक्शन लिया जाएगा। इन लोगों का राज देखिए 20 साल में 70 हजार मर्डर हुए।

महागठबंधन के विजन का जिक्रः तेजस्वी यादव ने कहा कि, 20 साल से बिहार में NDA की सरकार है, लेकिन विकास नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि, 5 साल नहीं, बिहार के लोग 20 महीने का मौका दें तो हम वो सारे काम कर देंगे जिनका हमने वादा किया है।

नीतीश-बीजेपी पर हमलाः तेजस्वी यादव ने कहा कि NDA इस बार नीतीश कुमार को सीएम नहीं बनाएगी। अमित शाह को बताना चाहिए कि, उन्होंने अब तक सीएम फेस घोषित क्यों नहीं किया है। JDU के कुछ नेता पार्टी को खत्म करने के लिए बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं।

राजद प्रत्याशी से मांगा 10 साल के काम का हिसाब

एजेंसी, पटना

❐ मसौढ़ी में वोट मांगने गईं रेखा देवी का विरोध, ग्रामीणों और समर्थकों के बीच हुई बहस

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र में बुधवार देर रात वोट मांगने पहुंची राजद प्रत्याशी और वर्तमान विधायक रेखा देवी का ग्रामीणों ने विरोध किया। ग्रामीणों ने उनसे पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब मांगा। जैसे ही विधायक रेखा देवी ग्रामीणों के बीच पहुंचीं, लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने विधायक से सवाल करना शुरू कर दिया कि उन्होंने गांव में कोई काम क्यों नहीं किया। इस दौरान ग्रामीणों और रेखा देवी के समर्थकों के बीच काफी देर तक बहस चलती रही। बाद में समर्थकों के इशारे पर रेखा देवी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ गाड़ी में बैठकर गांव से निकल गईं। वीडियो ग्रामीणों ने सोशल मीडिया पर अपलोड किया है। गांव के विनोद कुमार ने बताया कि मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र के पतलहट गांव में लगभग 1200, गोड़रिया बीघा में 900, चांद चक बीघा में लगभग 1300 और बलैठा गांव में 1000 मतदाता हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विधायक ने ऐसे दर्जनों गांवों में पिछले 10 वर्षों में कोई काम नहीं किया है। मामला मसौढ़ी के चांद चक और बलौठा गांव का है।गांव के सुभाष यादव ने बताया कि ग्रामीणों ने कई बार रेखा देवी से मिलकर पक्की सड़क और अन्य योजनाओं की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

वहीं, विधायक रेखा देवी ने बताया कि पूरे मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 700 गांव हैं। उन्होंने बताया कि एक पंचायत में लगभग 18 गांव पड़ते हैं। विधायक फंड अगर हिसाब लगाया जाए तो प्रति पंचायत 5 से 6 लाख रुपया पड़ता है। हमने पिछले 5 वर्षों के 2015 से 2020 तक का हिसाब जनता को दे दिया है। अब 2020 से 2025 का हिसाब भी जनता के बीच पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

बेऊर जेल में 2 घंटे छापेमारी, 5 मोबाइल जब्त

एजेंसी, पटना

पटना में बेऊर जेल में गुरुवार की सुबह पुलिस ने 2 घंटे तक छापेमारी की। छापा सुबह 5:45 से शुरू हुआ। जेल के चप्पे-चप्पे को खंगाला गया है। उस वक्त कैदी सो रहे थे। अचानक कार्रवाई शुरू हुई तो सभी जाग गए। इसी दौरान गंगा खंड के पास जमीन में गड़े 5 मोबाइल मिले। सभी मोबाइल टूटे हुए थे। मोबाइल में बैटरी या सिम कार्ड भी नहीं लगा था। छापेमारी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले स्वच्छ और निष्पक्ष मतदान के लिए की गई है।

मोबाइल किसने गाड़े, पता लगाया जा रहाः जेल डीआईजी नीरज झा ने इसे एक नियमित छापेमारी बताया। उन्होंने कहा कि राजधानी पटना में 6 नवंबर को मतदान होना है और प्रशासन की ओर से मतदान को निर्भीक और

♦ न सिम लगा था और न बैटरी, पटना में 6 नवंबर को मतदान को लेकर सतर्कता

स्वच्छ बनाने के लिए समय-समय पर जेलों में ऐसी छापेमारी की जाती है। जेल प्रशासन अब यह पता लगाने में जुटा है कि गंगा खंड के बाहर जमीन में ये मोबाइल किसने गाड़े थे और इस मामले में कौन-कौन लोग दोषी हैं।

शांभवी चौधरी बोलीं- फतुहा की सीट एनडीए की झोली में आएगी, चिराग पासवान को यहां बहुत प्यार मिलता है

एजेंसी, पटना

समस्तीपुर की युवा सांसद और लोजपा (रामविलास) नेता शांभवी चौधरी ने गुरुवार को पटना के फतुहा स्थित 'द फतुहा क्लब रिसोर्ट' में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने का दावा किया। एनडीए समर्थित लोजपा (रामविलास) प्रत्याशी रूपा कुमारी के पक्ष में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में सांसद शाम्भवी चौधरी का स्वागत किया गया। जनता से अपील करते हुए सांसद शाम्भवी चौधरी ने कहा कि इस बार रूपा कुमारी को 'हेलिकॉप्टर छाप' क्रमांक संख्या-02 पर वोट देकर विजयी बनाएं ताकि फतुहा के साथ-साथ पूरे प्रदेश का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि विकास के लिए मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत होती है और नगर की मुख्य पार्षद के रूप में रूपा कुमारी ने जो अतुलनीय

काम किया है, वह इसकी मिसाल है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय उम्मीदवार होने के नाते रूपा कुमारी आपकी हर समस्या को प्राथमिकता से हल करेंगी और फतुहा के लिए एक नई विकास गाथा लिखेंगी।

शांभवी चौधरी बोलीं- चिराग पासवान को फतुहा की जनता का बहुत प्यार मिलताः सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि उनके शीर्ष नेतृत्वकर्ता चिराग पासवान को फतुहा की जनता का काफी प्यार मिलता रहा है, इसलिए उन्हें यहां की सीट दी गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फतुहा में पिछले 15 सालों से आरजेडी का जो गढ़ रहा है, उसे तोड़ने का काम एनडीए मिलकर करेगी और हम लोग अच्छे

♦ '15 साल से राजद के गढ़ फतुहा को एनडीए तोड़ेगी'

वोटों से यहां से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि चिराग पासवान के प्रति लोगों का स्नेह और एनडीए के विकास कार्यों के दम पर फतुहा की सीट इस बार एनडीए की झोली में आएगी। उन्होंने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनाव में लगने की अपील की। मौके पर एनडीए समर्थित उम्मीदवार रूपा कुमारी, समाजसेवी टुनटुन यादव, रंजीत यादव, जेडीयू के रणधीर यादव,अनामिका अग्रवाल, श्याम सुंदर केशरी, सुधीर यादव, समेत गठबंधन के कई नेता मौजूद थे। सभी ने एकजुटता दिखाते हुए फतुहा सीट से रूपा कुमारी की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

सम्राट बोले-बेटे के लिए लालू ने कांग्रेस को टॉर्चर किया, गुंडागर्दी से मुख्यमंत्री चेहरा बनवाया

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद नेता तेजस्वी यादव को महागठबंधन का सीएम चेहरा घोषित किए जाने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा 'लालू यादव ने जबरदस्ती अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस और सभी पार्टियों को एक तरह से टॉर्चर किया। जिस तरह लालू यादव ने 15 सालों तक अपराधियों का राज चलाया उसी तरह उन्होंने अपने गठबंधन में गुंडागर्दी करके अपने बेटे को मुख्यमंत्री का दावेदार बनाया। बिहार की जनता ने उन्हें 15 साल तक सत्ता दी लेकिन बिहार की जनता को क्या मिला। लूट, हत्या, बलात्कार, भ्रष्टाचार और चोरी करने का इनाम। चोरी के आरोप में जो व्यक्ति पंजीकृत अपराधी हो चुका है उसके बेटे को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बनाया गया है। इसलिए आज लोकतंत्र के लिए शर्मसार करने वाला दिन है कि लालू यादव जैसे भ्रष्ट व्यक्ति के परिवार को महागठबंधन ने सत्ता के लिए समर्थन देने का

❐ पंजीकृत अपराधी का बेटा सीएम फेस कैसे हो सकता है

काम किया है। उन्होंने आगे कहा, 'मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कह रहे हैं कि 2 करोड़ 70 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देंगे। आज हम लगभग 85 हजार करोड़ रुपए देते हैं और 22 लाख लोगों को सरकारी नौकरी मिलती है। यदि 2 करोड़ 70 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी तो 12 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे।'

नड्डा बोले- RJD का मतलब है- रंगदारी, जंगलराज, दादागिरीः NDA के बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। आज गुरुवार को औरंगाबाद के गोह में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जनसभा हुई। इस दौरान नड्डा ने कहा, 'RJD का मतलब है- रंगदारी, जंगलराज, दादागिरी। जो लोग नौकरी के लिए जमीन ले लेते हैं, वो क्या आपको नौकरी देंगे? जो लोग मां-बहनों की इज्जत नहीं कर सकते, वो क्या आपको सुरक्षा देंगे' 'मेरा जन्म भी बिहार के पटना में हुआ है। मैंने बचपन के 20 साल बिहार में गुजारे हैं। इसलिए मुझे वो अंधकार का युग भी मालूम है और आज ये उजाले का युग भी देख रहा हूं।' इधर, पीएम मोदी एक बार फिर पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। आज शाम 6 बजे वो कार्यकर्ताओं से बात करेंगे। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर खुद इसकी जानकारी दी है।

पटना आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में खराबी

एजेंसी, पटना

दिल्ली से पटना आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट SG497 में खराबी आ गई। तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार की सुबह फरीदाबाद के आसपास से ही फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट के लिए लौटा दिया गया। विमान पटना के लिए रवाना हुआ था, जिसमें लगभग 160 यात्री सवार थे। अचानक तकनीकी दिक्कत सामने आने के बाद पायलट ने एहतियातन दिल्ली लौटने का निर्णय लिया, ताकि किसी संभावित खतरे से बचा जा सके।

ऑप्शनल व्यवस्था की प्रक्रिया कीः विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद यात्रियों को विमान से उतार लिया गया और स्पाइसजेट प्रबंधन ने ऑप्शनल व्यवस्था की प्रक्रिया शुरू कर दी। कई लोग छठ

महापर्व मनाने के लिए पटना जा रहे थे, जिससे उन्हें असुविधा हुई। त्योहार के मौसम में पहले से ही पटना और बिहार जाने वाली ट्रेनों और फ्लाइट्स में भारी भीड़ है। ऐसे में इस तरह की तकनीकी समस्या ने यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। फिलहाल एयरलाइन ने कहा है कि सभी यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और विमान की जांच के बाद ही उसे दोबारा उड़ान भरने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, यात्रियों ने एयरलाइन से बेहतर प्रबंधन और स्पष्ट जानकारी की मांग की है।

पटना में कबाड़ी गोदाम में लगी आग

एजेंसी, पटना

पटना में कबाड़ी गोदाम में बुधवार की रात 11 बजे के करीब आग लग गई। आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। गोदाम राजू कुमार का है। जो किराए पर लिया गया था। दिवाली में कूड़ा खरीदा था और अब उसकी बिक्री करनी थी। राजू ने बताया कि गोदाम में आग लगने से काफी नुकसान हो गया। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। जिसके बाद लोदीपुर अग्निशमन की गाड़ी और अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार पहुंच गए। जब तक अग्निशमन गाड़ी पहुंची, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। 20 मिनट बाद बड़ी दमकल की गाड़ी पहुंची। तब जाकर स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो सकी। एक घंटे बाद आग को बुझाया जा सका। घटना पाटलिपुत्र थाने के नेहरू नगर गांधी पथ कर्पूरी अपार्टमेंट के पास की है।

अपार्टमेंट के लोग बाहर निकल गए थेः गोदाम के बगल में अपार्टमेंट की दीवार थी और वह भी

दमकल की टीम ने 1 घंटे की मशक्कत के बाद लपटें बुझाई, बगल में अपार्टमेंट की दीवार हुई गर्म

गर्म हो गई। इसके कारण अपार्टमेंट के लोग भी बाहर निकल गए। बताया जाता है कि गोदाम मालिक रात के करीब साढ़े 8 बजे गोदाम का गेट लगाकर घर चले गए थे। इस दौरान बल्ब ऑफ नहीं किया था। आग कैसे लगी पता नहीं चल पाया। कचरा का सामान होने के कारण आग तुरंत फैलने लगी और विकराल रूप ले लिया। मामले की जानकारी मिलने पर पाटलिपुत्र थाने की पुलिस भी पहुंच गई थी। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

नाराज कांग्रेसी बोले- प्रदेश प्रभारी बीजेपी के स्लीपर सेल

एजेंसी, पटना

टिकट कटने से नाराज कांग्रेस के नेताओं ने आज कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में सामूहिक उपवास और धरना-प्रदर्शन किया। नेताओं ने प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के खिलाफ मोर्चा खोला है। इन नेताओं ने कृष्णा अल्लावरू पर पैसे लेकर टिकट बेचने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता आनंद माधव ने कृष्णा अल्लावरू को बीजेपी का स्लीपर सेल कहा है। उन्होंने कहा कि कृष्णा अल्लावरू और उनकी टीम ने टिकट की खरीद फरोख्त की है। 10 साल से यहां पर कमेटी नहीं है। हम यही चाहते हैं कि कृष्णा अल्लावरू और उनकी टीम यहां से वापस जाए और एक नई टीम आए। जिसके पास राजनीतिक सोच और समझ हो। हम बिहार में कांग्रेस को मजबूत करना चाहते हैं और राहुल के सपने को साकार करते हुए उन्हें प्रधानमंत्री बनते हुए देखना चाहते हैं। हमारी इच्छा है कि हम कांग्रेस के झंडे में लिपट कर जाएं। जब भारतीय जनता पार्टी का स्लीपर सेल यहां काम करेगा तो राहुल गांधी कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगे। कृष्णा अल्लावरू ने कांग्रेस को बर्बाद कर दिया है। कोई पैरामीटर नहीं है। एक दिन पहले लोगों

को उठाया और उसे टिकट दे दिया।

आनंद माधव ने कहा कि टिकट बंटवारे में कोई ट्रांसपेरेंसी नहीं है। ऐसा कहीं नहीं हुआ होगा कि वॉर रूम से टिकट बंटता हो। मगर हमारे यहां CLP लीडर और अध्यक्ष के अलावा वॉर रूम में काम करने वाले लोगों ने उम्मीदवारों को टिकट बांटा है। राजनीतिक दल कोई राजनीतिक पार्टी ही चला सकता है। कोई एजेंट या दलाल नहीं चला सकता। हम लोग काली पट्टी भी बांधकर बैठे हैं, जो यह दर्शाता है कि हम वर्तमान व्यवस्था का प्रतिरोध कर रहे हैं। हमें प्रदर्शन रोकने के लिए दबाव भी दिया जा रहा है। यहां तक यह भी कहा जा रहा है की MLC बना दिया जाएगा, मगर हम रुकने वाले नहीं है।

सिकंदरा के पूर्व विधायक बंटी चौधरी ने कहा

❐ टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस नेताओं ने किया धरना-प्रदर्शन, कहा- कृष्णा अल्लावरू ने पार्टी को बर्बाद किया

कि हम लोगों की एक ही मांग है कि कार्यकर्ताओं के हक और अधिकार का हनन नहीं होना चाहिए। आज यहां जितने भी लोग बैठे हुए हैं वह अपने क्षेत्र में पहचान रखने वाले लोग हैं और इन्हें टिकट न देकर किसी बाहरी लोग को टिकट दिया गया है। यह हमारे साथ नहीं बल्कि जनता के साथ अन्याय हुआ है। इसके विरोध में आज हमलोग एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले चुनाव में बरबीघा से मात्र 113 वोट से हारे गजानंद शाही ने कहा कि जो व्यक्ति मात्र 113 से वोट से हारा हो और जो 30000 से हारा हो उसे टिकट देना कितना उचित लगता है? हम लोग प्रभारी जी के कार्यकलाप पर प्रश्न उठा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने गलत किया है। उन्होंने पैसे पर टिकट बेचा है, तो कहां से कांग्रेस मजबूत होगी। अभी बंगाल में भी इलेक्शन होना है, अगर ऐसा ही रफ्तार रही तो इसका असर वहां भी पड़ेगा। हम लोग कांग्रेसी हैं और रहेंगे मगर जो नाजायज है उस पर सवाल उठाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में मठलोहियार के युवक की मौत, शव पहुंचते ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के मठलोहियार पंचायत के नोनिया टोला वार्ड संख्या 3 निवासी कयूम मियां के पुत्र शाहिद आलम (19 वर्ष) की हैदराबाद में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। दीपावली के दिन यानी 20 अक्टूबर को यह दर्दनाक हादसा हुआ था। बुधवार को जब शाहिद का पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया।जानकारी के अनुसार शाहिद आलम बीते एक वर्ष से हैदराबाद में वेल्डर का काम कर रहा था। दीपावली के दिन सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार कार ने उसे कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल शाहिद को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय सरपंच मीना देवी और उनके पति अच्छे लाल सिंह ने बताया कि शाहिद का पोस्टमार्टम हैदराबाद में ही किया गया था। इसके बाद कंपनी प्रबंधन की ओर से एंबुलेंस से शव को गांव भेजा गया। गांव पहुंचते ही शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता कयूम मियां, मां और भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया जाता है कि शाहिद तीन भाइयों में दूसरे नंबर का पुत्र था। उसकी असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

अम्बाटिल्हा में बकरियों में संक्रमण से हड़कंप, दर्जनों बकरियों की मौत

बीएनएम @ जमुई/सोनो। जिले के सोनो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत दहियारी पंचायत के अम्बाटिल्हा गांव में बकरियों में फैली रहस्यमयी बीमारी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पिछले एक सप्ताह में दर्जनों बकरियों की मौत हो चुकी है, जबकि लगभग 25 परिवारों की बकरियां बीमार हैं। ग्रामीण छोटेलाल पासवान, मन्नू पासवान, लट्टू पासवान, वीरेंद्र पासवान, पप्पू पासवान, नेपाली पासवान, सुभाष पासवान, घनश्याम पासवान, सुकरी देवी और बास्की देवी ने बताया कि बकरियों में खांसी, बुखार, मुंह से झाग निकलना और भूख न लगने जैसे लक्षण पाए जा रहे हैं। अचानक हो रही मौतों से लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि सूचना देने के बावजूद अब तक पशु चिकित्सक गांव नहीं पहुंचे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग से मांग की है कि बीमार बकरियों का तत्काल इलाज कराया जाए तथा पूरे गांव में टीकाकरण अभियान चलाया जाए ताकि संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके।ग्रामीणों ने प्रशासन से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

क्या कहते है चिकित्सक - पीपीआर का संक्रमण हो सकता है।ग्रामीणों को संपर्क करना चाहिए था।इसको दिखवाते हैं।

डॉ श्यामशंकर, पशु चिकित्सा पदाधिकारी, सोनो

रजला हॉल्ट के समीप युवक की ट्रेन से कट कर मौत

बीएनएम @ जमुई/झाझा। गुरूवार को झाझा सिमुलतला मुख्य रेलखंड स्थित रजला हॉल्ट के समीप मानवता को शर्मसार करने वाला दृश्य सामने आया जब एक युवक की ट्रेन से कटने के बाद शव घण्टो देर तक रेलवे लाइन पर पड़ी रही और ट्रेन शव के ऊपर से गुजरते रहा। वही कुछ लोगों की नजर शव पर पड़ने के बाद समाजसेवी गौरव सिंह राठौड़ को सूचना दिया तो उसने पहुंचने के बाद रेल थाना झाझा को सूचना दिया। रेलवे लाइन पर पड़े शव की पहचान गौरव के सहयोग से किया तो मृत युवक की पहचान थानाक्षेत्र के डुमरमोह गांव के रहने वाले कपिल साव 20 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार के रूप में हुई। मृत युवक के परिजनों को जानकारी मिली तो परिजन व ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे। परिजनों के द्वारा बताया गया की युवक मानशिक रूप से बीमार था और वह गुरुवार की सुबह अपने घर से निकल गया था जिसकीं खोजबीन घर वाले कर रहे थे। इधर घटना स्थल पर रेलपुलिस भी पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की लेकिन परिजन शव का पोस्टमार्टम न करवाने की बात कहकर शव को उठाकर गांव लेकर चला गया।

दम्पति के साथ मारपीट

बीएनएम @ जमुई/झाझा। थानाक्षेत्र के जुड़पनिया गांव में दम्पति के साथ हुई मारपीट की घटना पर पीड़ित परिवार की ओर से थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज आवेदन में पीड़ित लंबू बास्के ने बताया कि गांव के बोड़ो बास्के, अनिल बास्के, बंगाली बास्के, छोटकी मुर्मू, बोड़ो बास्के की पत्नी व एक अन्य ने लाठी डंडे एवं अन्य चीजों से लैस होकर घर पर आया और गाली गलौज करते हुए मुझे एवं मेरी पत्नी को पकड़कर घर के पीछे ले जाकर मारपीट करने लगा। अनीश हाथ मे पहने लोहे के मोटा कड़ा से मेरी पत्नी को मारकर आंख के पास लोहे के कड़ा से मारकर घायल कर दिया जिससे मेरी पत्नी की एक आंख गम्भीर रूप चोटिल हो गया और उससे उसकी आंख से दिखाई देना बंद हो गया तथा बोड़ो ने लाठी से मेरे ऊपर तबातोड़ वारकर मुझे घायल कर दिया। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोग मेरी पत्नी पर डायन का आरोप लगाकर दो बच्चों की मौत की जिम्मेवार ठहराया। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोग मारपीट कर गांव से भाग जाने के लिए कहा।

भगवान चित्रगुप्त की पूजा धूमधाम से संपन्न

जमुई में भगवान चित्रगुप्त की पूजा करते कायस्थ समाज के लोग

बीएनएम @ जमुई/झाझा। नगर क्षेत्र के पुरानी बाजार स्थित कायस्थ टोला में कायस्थ समाज के कुल देवता भगवान चित्रगुप्त की पूजा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। पूजा पंडाल में भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कायस्थ परिवारों ने विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने कलम, दवात, कॉपी व पुस्तक की भी पूजा की। कई कायस्थ परिवारों ने अपने-अपने घरों में भी भगवान चित्रगुप्त की तस्वीर के समक्ष पूजा कर सुख-समृद्धि और मंगल जीवन की कामना की। पूजा स्थल पर बबलू सिन्हा, हेमंत सिन्हा, आकाश सिन्हा, राजेश सिन्हा, सुधीर श्रीवास्तव, राकेश सिन्हा, मुकेश सिन्हा, मनोज सिन्हा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। लोगों ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त पाप-पुण्य का लेखा रखने वाले कलमजीवी आराध्य देव हैं। धार्मिक मान्यता है कि आज के दिन चित्रगुप्त पूजा करने और बहनों को दक्षिणा देने से दीर्घायु, सुख और समृद्धि प्राप्त होती है। इसी दिन यमराज ने अपनी बहन यमुना के यहाँ भोजन किया था, इसलिए इसे यमद्वितीया तिथि भी कहा जाता है।

अभ्यर्थिता वापसी के अंतिम दिन कुल 05 अभ्यर्थियों ने नाम लिया वापस

» पूर्वी चंपारण जिला के सभी 12 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 95 अभ्यर्थी मैदान में

» जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को दिए जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर गुरुवार दिनांक 23.10.2025 को अभ्यर्थिता वापसी का अंतिम दिन निर्धारित था। कुल पांच अभ्यर्थियों के द्वारा अपना नाम निर्देशन पत्र वापस लिया गया है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा मीडिया के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि अभ्यर्थिता वापसी के अंतिम दिन गुरुवार को 20-चिरैया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से लालू प्रसाद यादव निर्दलीय, 12-नरकटिया विधानसभा क्षेत्र से समीम दीवान निर्दलीय, 19-मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र से प्रीति कुमारी निर्दलीय, 14-गोविंदगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से कमलेश कांत गिरी निर्दलीय तथा 21-ढाका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से रुखसाना खातून, निर्दलीय इन कुल 05 अभ्यर्थियों ने अपना नाम वापस लिया है। अब पूर्वी चंपारण जिला में सभी 12 विधानसभा को मिलाकर कुल 95 अभ्यर्थी मैदान में है और जिनमें से रक्सौल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या 05, सुगौली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या 05, नरकटिया विधानसभा क्षेत्र से 06, हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र से 06, गोविंदगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 08, केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 10, कल्याणपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 11, पिपरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 11, मधुबन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 08, मोतिहारी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 09, चिरैया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 06 तथा ढाका निर्वाचन क्षेत्र से कुल 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि दूसरे चरण के अंतर्गत जिला में नाम निर्देशन की प्रक्रिया 13 अक्टूबर को प्रारंभ हुई थी। 20 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तिथि थी इस दौरान कुल 142 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए। 21 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों का स्क्रुटनी किया गया जिसमें से 42 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र को रद्द किया गया। इस प्रकार जिला में कुल 100 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में थे इनमें से आज पांच अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन वापस लिया है। अब जिला में कुल 95 अभ्यर्थियों के बीच मुकाबला होगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिले में मतदान 11 नवंबर को संपन्न होगी जबकि मतगणना 14 नवंबर को कराई जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदान का समय सुबह 7:00 बजे पूर्वाह्न से अपराह्न 6:00 बजे तक निर्धारित है। मीडिया से वार्ता के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि ईवीएम का पहला रेंडमाइजेशन कर लिया गया है।अब ईवीएम को विधानसभा वार बनाए गए डिस्पैच सेंटर पर भेजा जाएगा और वहां पर उसका कमिश्निंग किया जाएगा। कमिश्निंग के दौरान संबंधित विधानसभा के प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि भी वहां पर उपस्थित रहेंगे। सभी डिस्पैच सेंटर पर ईवीएम प्रोटोकॉल के अनुसार स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं जहां पर ईवीएम को सुरक्षित रखा जाएगा एवं द्वितीय रेंडमाइजेशन के बाद इसे मतदान केंद्र बार व्यवस्थित रख दिया जाएगा। मीडिया द्वारा आए प्रश्न का जवाब देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में 85 प्लस एवं दिव्यांग मतदाताओं को विशेष सुविधा दी जानी है। इसके लिए जिला में प्रपत्र 12 D अंतर्गत 180 आवेदन प्राप्त है जिसका सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन के उपरांत इन मतदाताओं के यहां जाकर उनके घर पर ही वोटिंग कराने की व्यवस्था कराई जा रही है। सर्विस वोटर्स से प्राप्त होने वाले मतदान पर पत्रों को निर्वाची पदाधिकारी के यहां बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान के दिन प्रतिनियुक्त पोलिंग पार्टी के लोग द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के दौरान पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपना मतदान करेंगे जिन्होंने प्रपत्र 12 में अपना आवेदन दे रखा है। प्रेस वार्ता में बताया गया कि मतगणना का कार्य जिले में एमएस कॉलेज मोतिहारी एवं छतौनी स्थित डाइट संस्थान में कराया जाएगा। एमएस कॉलेज मोतिहारी में केसरिया, पिपरा, मोतिहारी, हरसिद्धि ,गोविंदगंज एवं कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना संपन्न होंगे वहीं छतौनी डाइट में सुगौली, चिरैया, मधुबन, नरकटिया, ढाका एवं रक्सौल विधानसभा क्षेत्र के मतगणना संपन्न कराए जाएंगे। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिले में कोई नक्सल प्रभावित बूथ नहीं है। जिले के कुल मतदान केंद्र 4095 में से 1300 मतदान केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में चिन्हित किया गया है। जिले में 130 मतदान केंद्र ऐसे बनाए जाएंगे जहां केवल महिलाएं ही मतदान को संचालित करेंगी। सभी 12 विधानसभा क्षेत्र में एक-एक सहित कुल 12 मतदान केंद्र दिव्यांग जनों के द्वारा संचालित होंगे एवं प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक एक मतदान केंद्र मॉडल मतदान केंद्र के रूप में स्थापित कराया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि निर्वाचन में भाग लेने वाले सभी प्रत्याशियों का ट्रेनिंग कल दिनांक 24.10.2025 को राजेंद्र सभागार में दिया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से आदर्श आचार संहिता, मीडिया मॉनिटरिंग सर्टिफिकेशन एवं निर्वाचन व्यय के संधारण संबंधी सभी जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि बिहार विधानसभा के लिए अधिसूचना जारी होने से लेकर अभी तक 16 दिनों में जिला में लगभग 2200 गिरफ्तारियां की गई है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 120 की संख्या में गिरफ्तारी की जा रही है। सीजर के संबंध में उन्होंने बताया कि 2 करोड़ से ज्यादा की बारामती की गई है जिसमें 10 लाख इंडियन करेंसी एवं 17 लाख नेपाली करेंसी है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रीवेंटिव एक्शन के अंतर्गत 18000 लोगों से बॉन्ड भरवारा गया है। 20000 लीटर से ज्यादा शराब की बारामती की गई है इसके साथ-साथ गांजा चरस अफीम को भी जप्त किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 16 दिन में अभी तक 26 हथियार, 156 गोली एवं 08 मैगजीन को जप्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला में कुल 4211 आर्म्स लाइसेंस निर्गत है जिनमें से 3000 से ज्यादा का सत्यापन कर लिया गया है और इसमें से 2600 से ज्यादा को थानों में जमा कराया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बहुत सारे लोग छठ पूजा में घर वापस आएंगे वे लोग संबंधित थाने में अपने आर्म्स का सत्यापन करा लेंगे। उन्होंने कहा कि बार-बार नोटिस देने के बाद भी जो लोग अपने आर्म्स का सत्यापन नहीं कराएंगे उनके आर्म्स लाइसेंस को निलंबित/ रद्द करने की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि जिला के सभी प्रत्येक मतदान केंद्र से 10 असामाजिक तत्वों को चिन्हित किया जा रहा है और उनके अगेंस्ट भी जल्द हीं कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला बदर/थाना बदर से संबंधित कुल 210 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिसमें से 190 का डिस्पोजल कर दिया गया है जिसकी सूची जारी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि मॉडल कोड आफ कंडक्ट के उल्लंघन को लेकर घोड़ासहन में एक प्राथमिक की दर्ज कराई गई है जिसकी जानकारी भी मीडिया को पुलिस अधीक्षक के द्वारा दी गई। उन्होंने मीडिया से भी अनुरोध किया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित अगर कोई वीडियो आता है तो उसे तुरंत उनके संज्ञान में दिया जाय जिस पर समुचित एवं त्वरित करवाई किया जा सके। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, सहायक समाहर्ता प्रिया रानी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सरफराज नवाज एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षक सहित पुलिस प्रेक्षक के द्वारा मतगणना के लिए बनाए गए दोनों केंद्रों का निरीक्षण कर लिया गया जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्वी चंपारण जिला में नियुक्त सामान्य प्रेक्षक सहित पुलिस प्रेक्षक के द्वारा गुरुवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के साथ जिला में बनाए गए दोनों मतगणना केंद्र का निरीक्षण कर वहां चल रही तैयारी का जायजा लिया गया। ज्ञातव्य है कि बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के अवसर पर मतगणना के लिए जिला में मोतिहारी स्थित एमएस कॉलेज एवं छतौनी स्थित डाइट संस्थान को मतगणना केंद्र बनाया गया है। प्रेक्षक गण के द्वारा सभी 12 विधानसभा के मतगणना केंद्रों का एक-एक कर निरीक्षण किया गया और वहां स्ट्रांग रूम सहित काउंटिंग हाल का जायजा लिया गया। वहां पर पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की गई एवं जरूरी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर नगर आयुक्त, सहायक समाहर्ता एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित मतगणना केंद्र के प्रभारी पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : एसपी

छठ महापर्व को लेकर पुलिस अधीक्षक ने किया विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण

बीएनएम @ बगहा

आस्था और विश्वास का महापर्व छठ के मद्देनज़र बगहा पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक बगहा सुशांत कुमार सरोज के निर्देश पर पटखौली थाना क्षेत्र के नारायणपुर छठ घाट, बगहा थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर एवं दीनदयाल छठ घाट, तथा भितहा थाना क्षेत्र के चन्द्रपुर छठ घाट का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।इस मौके पर संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रशिक्षु डीएसपी, अंचल पुलिस निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने घाटों की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, भीड़-प्रबंधन तथा आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने संबंधित थानाध्यक्षों को घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बगहा पुलिस प्रशासन ने आम श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि वे पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। दुसरी तरफ चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने थाना क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। तथा रतवल छठ घाट का निरीक्षण करते हुए छठ व्रतियों की सुरक्षा व्यवस्था और छठ घाटों की साफ - सफाई के मद्देनजर कई आवश्यक दिशा निर्देश लोगों को दिया।

छठ घाट का निरीक्षण करते एसपी

अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक भैया दूज" श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

» गोधन बाबा चलले आहेरिया, खिडरिच बहिना देली आशिष

बीएनएम @ बगहा

बगहा अनुमंडल में गुरुवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक पर्व भैया दूज श्रद्धा, हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही गांवों में पूजा-पाठ और लोकगीतों की मधुर गूंज सुनाई देती रही। सुबह महिलाओं ने स्नान-ध्यान कर पूजा की तैयारी शुरू की। उन्होंने गोबर से गोधन बनाकर पारंपरिक रूप से गोधन कूटने की परंपरा निभाई। महिलाएं "गोधन बाबा चलले आहेरिया, खिड़रिच बहिना देली आशीष नू हो" और "गोधन बाबा के बहुअवा हाटे बाटे धावल जास" जैसे गीत गाते हुए देवता की आराधना करती रहीं। इसके बाद उन्होंने "उठहु ए देव, उठहु ए सुतले भइल छव मास" जैसे पारंपरिक गीतों के साथ 'पहरुआ' से गोधन कूटा।पूजा के उपरांत बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर बजरी और मिठाई खिलाई, तथा उनकी दीर्घायु, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। बदले में भाइयों ने बहनों को उपहार देकर स्नेह प्रकट किया। इस दौरान घर-घर में पारिवारिक एकता और प्रेम का वातावरण बना रहा।गांवों में दिनभर भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और उल्लास देखने को मिला। बच्चे और महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजे नजर आए, जबकि युवतियां लोकगीतों की धुन पर झूम उठीं। पूरे क्षेत्र में पर्व का उत्साह और आनंद स्पष्ट झलक रहा था। भैया दूज के इस पावन अवसर पर लोगों ने इसे भाई-बहन के प्रेम का उत्सव बताते हुए कहा कि ऐसे त्यौहार समाज में पारिवारिक संबंधों की मजबूती और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रतीक हैं।

कायस्थ समाज के लोगों ने की श्रद्धा पूर्वक भगवान चित्रगुप्त की पूजा

चित्रगुप्त पूजा करते श्रद्धालु

बीएनएम @ बगहा

बगहा बाजार स्थित चित्रगुप्त धाम मंदिर में बड़ी संख्या में जुटे कायस्थ समाज के लोगों ने धूमधाम से भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा की। मौके पर चौतरवा,बड़गांव, अमवलिया, राय बारी, महुअवा, बरिअरवा, मकरी, कोल्हूआ, भठहिया, वाल्मिकी नगर, रामपुर चेकनाका आदि से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। इसमें पूजा समिति के प्रियेश श्रीवास्तव, चौतरवा से पहुंचे ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के प्रदेश सचिव जेपी श्रीवास्तव, हरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, राकेश कुमार श्रीवास्तव, मुकेश कुमार श्रीवास्तव,अमृत वर्मा,अंकुर वर्मा,प्रियेश श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, प्रिंस वर्मा, सुजीत वर्मा, सुमित वर्मा, अजीत श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, पुनीत शरण वर्मा, रामेश्वर प्रसाद वर्मा, सुबीर वर्मा, उत्कर्ष वर्मा समेत बड़ी संख्या में कायस्थ समाज ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया। ऐसी मान्यता है की इसी दिन कायस्थ समाज में जन्मे नन्हे नन्हे बच्चों को भी कलम पकड़ाया जाता है।

बिजली चोरी करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ जमुई / झाझा

बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ विद्युत विभाग प्रशाखा झाझा के कनीय विद्युत अभियंता आदित्य कुमार द्वारा चलाए गए छापेमारी अभियान में अलग अलग जगहों से कुल पांच लोगों को अपने अपने घरों में बिजली चोरी करते पकड़ने के बाद अवैध तार को जब्त करते हुए उनलोगों के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। दर्ज आवेदन में कनीय विद्युत अभियंता ने बताया कि टीम के साथ जामुखरैया गांव में किरण देवी बंगाली यादव, विनोद यादव नगर क्षेत्र के पुरानी बाजार फूलमती देवी, फुलमन्ती देवी के घर पर भी छापेमारी कि तो उक्त सभी लोग अपने अपने घरों में बायपास से अवैध तरीके से बिजली तार जोड़कर अपने घरों में अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहा था जिससे विभाग को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि उक्त पकड़े गए सभी लोगों ने विभाग को 132892 रुपए का नुकसान पहुंचाया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद नामजद लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में पुलिस जुट चुकी है।

फरार शराब मामले के तीन आरोपी गिरफ्तार, श्रीनगर पुलिस को बड़ी सफलता

बीएनएम @बैरिया

गिरफ्तार आरोपित के साथ पुलिस

श्रीनगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। थानाध्यक्ष अमित कुमार पाल ने बताया कि यह कार्रवाई दो अलग-अलग कांडों से संबंधित है।पहला मामला कांड संख्या 72/25 का है, जिसमें योगापट्टी थाना क्षेत्र के बकही गांव निवासी मनेजर मुखिया के पुत्र अच्छेलाल मुखिया एवं लालजी मुखिया के पुत्र परमा मुखिया नामजद थे। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने विशेष टीम बनाकर छापेमारी की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया वहीं दूसरा मामला कांड संख्या 250/25 का है। इस मामले में पुजहा गदियानी गांव निवासी तेजा चौधरी के पुत्र शंकर चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों कांड शराब से संबंधित हैं, जिनमें आरोपियों पर अवैध शराब के निर्माण और परिवहन में संलिप्त रहने का आरोप है।थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है, जिससे क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार चुनाव 2025: तेजस्वी यादव राहुल गांधी और अखिलेश यादव के साथ प्रचार करेंगे

प्रातः आवाज : पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के बीच महागठबंधन ने अपनी एकजुटता का ऐलान कर दिया है। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 24 अक्टूबर से उनका चुनाव प्रचार शुरू होगा। इस अभियान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल होंगे। तेजस्वी यादव ने कहा, "बिहार की जनता इस सरकार से मुक्ति चाहती है। ऐसी सरकार चाहिए जो पलायन रोके, स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारे और रोजगार तथा नौकरियां दे।" इस अवसर पर महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा (सीएम फेस) घोषित किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि तेजस्वी का नाम तय होना स्वाभाविक था और राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं ने इसका समर्थन किया।हालांकि प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अनुपस्थिति पर बीजेपी ने तंज कसा। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पुनिया ने इसे "सम्मान चोरी" बताया और कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस को दबाकर तेजस्वी को आगे किया है।तेजस्वी ने आरोप लगाया कि नीतीश-मोदी सरकार ने बिहार को लूटा है और घोषणा की कि उनकी सरकार बनने पर युवाओं को 10 लाख नौकरियां दी जाएंगी। यह घोषणा वोटर अधिकार यात्रा के बाद की गई, जिसमें अगस्त-सितंबर में तीनों नेता जन जागरण कार्यक्रमों में शामिल हुए थे।

ट्रक चालक पर प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ जमुई/झाझा। सतीघाट के पास कार और ट्रक के बीच हुई टक्कर में कार क्षतिग्रस्त होने के बाद कार चालक ने थाना में ट्रक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में कार चालक भोजपुर जिला के रहने वाले डब्लू कुमार ने बताया कि मैं अपने वाहन से बांका जा रहा था तभी सतीघाट के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने मेरी कार में टक्कर मार दी जिससे मैं बाल बाल बच गया लेकिन कार क्षतिग्रस्त हो गया। चालक ने ट्रक चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप भी लगाया।

भाई ने भाई को पिटा

बीएनएम @ जमुई/झाझा। थानाक्षेत्र के गिद्धको गांव में एक व्यक्ति के ऊपर उसके चचेरे भाई ने हमला कर घायल कर दिया। घायल की पहचान गिद्धको गांव निवासी तनवीर अंसारी के रूप में हुई जिसे स्वजनों की मदद से इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया जहां उसका इलाज हुआ। घायल ने बताया कि मैं एक व्यक्ति के साथ सब्जी खरीदने के लिए खलासी मुहल्ला जा रहा था तभी शराब के नशे में मेरा चचेरा भाई शहाबुद्दीन आकर मेरे साथ मारपीट कर ईट से वार कर घायल कर दिया।

बिहार में आज सिर्फ तेजस्वी ही तेजस्वी : राजद

बीएनएम @ पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। जहां जेडीयू (JDU) ने महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा, वहीं राजद (RJD) ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार की जनता अब केवल तेजस्वी यादव पर भरोसा करती है।जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा कि महागठबंधन की प्रेस वार्ता "बहुत देर से और बहुत उलझन भरी" रही। उन्होंने आरोप लगाया कि "बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं, लेकिन महागठबंधन ने 255 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। यह गणित भ्रष्टाचारियों का ही हो सकता है।"नीरज कुमार ने पोस्टर विवाद पर भी तंज कसा — "पोस्टर में सिर्फ तेजस्वी यादव का चेहरा क्यों? राहुल गांधी कहां हैं? मुकेश सहनी का चेहरा क्यों नहीं? क्या अति पिछड़ा होना गुनाह है?"इस बयान पर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "बिहार में आज सिर्फ तेजस्वी ही तेजस्वी हैं। जनता जानती है कि उनका भविष्य तेजस्वी यादव के वादों और संकल्पों से जुड़ा है। विपक्ष जितना भ्रम फैलाए, लोग सच समझते हैं।"तिवारी ने कहा कि महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है और चुनाव विकास, शिक्षा, बेरोजगारी और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर लड़ा जाएगा। उन्होंने दावा किया कि बिहार में जनता बदलाव के मूड में है और महागठबंधन ही उसका विकल्प बनेगा।वहीं राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि सीट बंटवारे और नेतृत्व को लेकर जारी असमंजस के बीच यह बयानबाजी चुनावी माहौल को और गर्माने वाली है। एनडीए इस विवाद को अपने पक्ष में भुनाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

एनडीए के पास न चेहरा, न विजनः कांग्रेस

बीएनएम @ पटना। महागठबंधन ने बिहार में अपने मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को सर्वसम्मति से घोषित कर दिया है। पटना के एक होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी सहयोगी दलों की मौजूदगी में यह ऐलान किया गया। इस अवसर पर विकासशील इंसान पार्टी (VIP) प्रमुख मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री बनाने की औपचारिक घोषणा भी की गई।बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि महागठबंधन ने बिहार और इसके लोगों के लिए स्पष्ट विजन प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा, "हमारे पास शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कृषि सुधार को लेकर ठोस एजेंडा है। हम बिहार को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हैं और हमारे पास जनता को देने के लिए एक चेहरा भी है। इसके विपरीत, एनडीए के पास न तो विजन है और न ही कोई स्पष्ट चेहरा। अमित शाह को जनता से बताना चाहिए कि क्या नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री उम्मीदवार होंगे।"बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने भी इस घोषणा पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "आज हमने बिहार की जनता से किया वादा पूरा कर दिया है। सही समय पर सही जवाब दिया गया है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाना हमारे लिए गर्व की बात है। सीट बंटवारे को लेकर सभी दलों ने अपनी सूची जारी कर दी है और अब यह कोई विवाद का विषय नहीं है।"इस घोषणापत्र के साथ महागठबंधन ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने नेतृत्व और एजेंडा को स्पष्ट रूप से जनता के सामने रखा है।इस रैली ने चुनावी माहौल को और गरम कर दिया है, खासकर मांझी और माकेर विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने में।

बिहार में वैशाली जिले के लालगंज से राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला को गोली मारने की धमकी

बीएनएम @ पटना। बिहार में वैशाली जिले के लालगंज विधानसभा से राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला को गोली मारने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम और स्थानीय करताहा थानाध्यक्ष के मोबाइल नंबर पर फोन कर शिवानी शुक्ला को गोली मारने की धमकी दी। इस धमकी के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गई और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी गई है। धमकी मिलने के बाद शिवानी शुक्ला की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शिवानी शुक्ला राजद नेता और बाहुबली मुन्ना शुक्ला की बेटी हैं, जो इस समय जेल में बंद हैं। राजद के टिकट पर शिवानी लालगंज विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरी हैं। उन्होंने अपनी इस मामले में करताहां थानाध्यक्ष कुणाल आजाद ने गिरफ्तार आरोपित करताहां थाना के धनुषी निवादी रंधीर कुमार, पिता-राजेंद्र कुंवर तथा उसके भाई रंजीत कुंवर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। हत्या की धमकी रंजीत कुंवर ने ही फोन पर दी थी। वह फिलहाल हैदराबाद में रहता है। इस मामले में एसडीपीओ सदर-2 गोपाल मंडल ने बताया कि जिला कंट्रोल रूम से करताहां थानाध्यक्ष को सूचना दी गई कि मोबाइल नंबर-7479749222 से एक व्यक्ति ने सूचना दी है कि घटारो में कोई बड़ी घटना होने वाली है। थानाध्यक्ष ने जब उस नंबर पर फोन किया तो नंबर स्विच ऑफ आ रहा था। देर शाम करीब 6.56 पर करताहां थाना के सरकारी नंबर पर उस नंबर से फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने थानाध्यक्ष से कहा कि राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला के पास काफी पैसा है। अगर वह रंगदारी नहीं देगी तो घटारो आने पर उसको गोली मार देंगे। बचा सकते हैं, तो बचा लीजिए।

दिल्ली में बिहार के 3 कुख्यात अपराधियों समेत 4 का एनकाउंटर

बीएनएम @ नई दिल्ली/पटना

विधानसभा चुनाव से पहले मचाने वाले थे आतंक

दिल्ली पुलिस और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में देर रात एक बड़ी मुठभेड़ में चार कुख्यात अपराधी मारे गए। इनमें से तीन अपराधी बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे, जो आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में हिंसा फैलाने की साजिश रच रहे थे। यह एनकाउंटर बहादुर शाह मार्ग इलाके में रात करीब 2:20 बजे हुआ।पुलिस के अनुसार, अपराधियों ने घेराबंदी के दौरान अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। मुठभेड़ करीब 10 से 15 मिनट चली और गोलियों की आवाज से पूरा इलाका गूंज उठा। जैसे ही फायरिंग थमी, पुलिस ने इलाके को चारों ओर से घेर लिया और ऑपरेशन समाप्त किया।मारे गए अपराधियों की पहचान रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश साहनी (25), मनीष पाठक (33) (तीनों सीतामढ़ी निवासी) और अमन ठाकुर (21) (दिल्ली निवासी) के रूप में हुई है। चारों के खिलाफ लूट, हत्या, रंगदारी और अवैध हथियार रखने जैसे कई गंभीर मामले दर्ज थे। ये पिछले कुछ महीनों से दिल्ली में छिपे हुए थे और बिहार में चुनाव के दौरान आतंक फैलाने की योजना बना रहे थे।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि यह गिरोह राजनीतिक रैलियों और नेताओं पर हमले की साजिश रच रहा था। जब पुलिस ने इन्हें पकड़ने की कोशिश की, तो इन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में चारों घायल हो गए और बाद में अस्पताल में मृत घोषित कर दिए गए।मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने AK-47 राइफल, दो पिस्तौल, भारी मात्रा में कारतूस और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। फॉरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटा लिए हैं और दिल्ली क्राइम ब्रांच पूरे मामले की जांच में जुटी है।पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह गिरोह बिहार चुनाव से पहले राज्य में "खौफ का माहौल" बनाने की कोशिश में था, लेकिन संयुक्त कार्रवाई से उनकी योजना नाकाम कर दी गई।

तेजस्वी सीएम चेहरा घोषित, पर वादों की 'माया' से ऊब चुकी है जनता : गिरिराज सिंह

बीएनएम @ पटना/बेगूसराय

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह ने महागठबंधन और उसके मुख्यमंत्री चेहरे तेजस्वी यादव पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेगूसराय दौरे के बाद एनडीए की चुनावी हवा पूरी तरह सकारात्मक होगी और जिले की सभी सात विधानसभा सीटों पर एनडीए की जीत तय है। गिरिराज सिंह ने महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे पर तंज कसते हुए कहा कि लालू यादव की कई कोशिशों के बाद तेजस्वी यादव को सीएम चेहरा घोषित किया गया है, लेकिन जनता अब ऐसे वादों पर भरोसा नहीं करेगी जो हर बार चुनाव में हवा में किए जाते हैं। उन्होंने तेजस्वी के चुनावी घोषणापत्र पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जीविका दीदियों को 30,000 रुपए प्रतिमाह देने जैसी योजनाएं सिर्फ चुनावी जुमला हैं।कांग्रेस नेताओं पर भी गिरिराज सिंह ने तीखा व्यंग्य किया और कहा कि उनके आने-जाने से चुनावी परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने महागठबंधन और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके पास न तो ठोस मुद्दा बचा है और न ही जनता का भरोसा।गिरिराज सिंह के इस बयान ने बिहार चुनाव 2025 में राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है, जबकि एनडीए और महागठबंधन के बीच मुकाबला तेज होने की संभावना है।

बिहार चुनाव 2025: तेजस्वी,राहुल गांधी और अखिलेश यादव के साथ प्रचार करेंगे

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के बीच महागठबंधन ने अपनी एकजुटता का ऐलान कर दिया है। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 24 अक्टूबर से उनका चुनाव प्रचार शुरू होगा। इस अभियान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल होंगे।तेजस्वी यादव ने कहा, "बिहार की जनता इस सरकार से मुक्ति चाहती है। ऐसी सरकार चाहिए जो पलायन रोके, स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारे और रोजगार तथा नौकरियां दे।" इस अवसर पर महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा (सीएम फेस) घोषित किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि तेजस्वी का नाम तय होना स्वाभाविक था और राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं ने इसका समर्थन किया।हालांकि प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अनुपस्थिति पर बीजेपी ने तंज कसा। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पुनिया ने इसे "सम्मान चोरी" बताया और कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस को दबाकर तेजस्वी को आगे किया है।तेजस्वी ने आरोप लगाया कि नीतीश-मोदी सरकार ने बिहार को लूटा है और घोषणा की कि उनकी सरकार बनने पर युवाओं को 10 लाख नौकरियां दी जाएंगी। यह घोषणा वोटर अधिकार यात्रा के बाद की गई, जिसमें अगस्त-सितंबर में तीनों नेता जन जागरण कार्यक्रमों में शामिल हुए थे।

क्या अति पिछड़ा होना गुनाह? महागठबंधन की पोस्टर पर सियासत गरमाई,एनडीए के नेताओं का हमला तेज

बीएनएम @दरभंगा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले महागठबंधन के भीतर पोस्टर पॉलिटिक्स ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। राजद की ओर से जारी एक पोस्टर में सिर्फ तेजस्वी यादव की तस्वीर नजर आने पर एनडीए ने महागठबंधन पर तीखा हमला बोला है। इस पोस्टर में न तो राहुल गांधी और न ही मुकेश सहनी का चेहरा शामिल है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है।जेडीयू नेता नीरज कुमार ने पोस्टर पर सवाल उठाते हुए कहा, "महागठबंधन का संवाददाता सम्मेलन बहुत देर से हो रहा है। कुल 243 सीटें हैं और इनके उम्मीदवार 255। यह गणित भ्रष्टाचारियों का ही हो सकता है। सिर्फ तेजस्वी यादव का फोटो क्यों? राहुल गांधी कहां हैं? मुकेश सहनी का चेहरा क्यों नहीं, क्या अति पिछड़ा होना गुनाह है?"वहीं, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह तस्वीर महागठबंधन की अंदरूनी टूट का प्रतीक है। "ये गठबंधन धर्म की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। एक ही चेहरा दिखाकर ये बताना चाहते हैं कि बाकी नेताओं का कोई वजूद नहीं," चिराग ने कहा।जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव इतने स्वीकार्य नेता हैं तो फिर महागठबंधन के भीतर सीटों को लेकर इतनी लड़ाई क्यों है। "इनकी सेहत सुधरने वाली नहीं," उन्होंने तंज कसा।उधर, भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि महागठबंधन में "महादरार" है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव अंदरूनी फूट को सुलझाने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि "राजद और कांग्रेस आपस में लड़ रही हैं, जीतेगा एनडीए और सरकार भी वही बनाएगा।"महागठबंधन की यह पोस्टर राजनीति अब चुनावी बहस का नया मुद्दा बन गई है, खासकर अति पिछड़ा वर्ग की हिस्सेदारी और सम्मान को लेकर।

मै डांसर हूँ, और मुझे इस पर गर्व है : खेसारी लाल यादव

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच अब सियासत का रंग भोजपुरी सिनेमा से भी गहरा होता जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी द्वारा राजद प्रत्याशी और भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव को "नचनिया" कहे जाने पर खेसारी ने तीखा जवाब दिया है। उन्होंने कहा — "I am a डांसर, और मुझे इस पर गर्व है। मैं कलाकार हूं, और संगीत से बढ़कर इस धरती पर कुछ नहीं है।"खेसारी लाल यादव ने कहा कि कुछ लोग कलाकारों को नीचा दिखाकर खुद को ऊंचा साबित करना चाहते हैं, लेकिन जनता सब जानती है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "जो मुझे 'नचनिया' कहते हैं, वे खुद आसाराम बापू के शिष्य हैं। NDA में जो लोग हैं या जो हाल में शामिल हुए हैं, उनका चरित्र जनता के सामने है। मैं कलाकार हूं, गाता और नाचता हूं, इसमें शर्म कैसी?"उन्होंने आगे कहा, "मेरे गानों की वजह से न छपरा में जलजमाव हुआ, न स्कूलों की हालत खराब हुई, न अस्पतालों में दवाई की कमी आई। जिन लोगों को मुझसे समस्या है, वे अपनी नाकामी छिपाने के लिए कलाकारों पर निशाना साधते हैं।"खेसारी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका विवाद किसी व्यक्ति से नहीं, बल्कि विचारधारा से है। उन्होंने कहा, "सम्राट भइया मेरे गार्जियन जैसे हैं। कल भी थे, आज भी हैं। लेकिन जो उन्होंने कहा, वो मुझे छोटा दिखाने के लिए कहा गया। मैं उनका विरोध नहीं कर रहा, बस इतना कह रहा हूं कि कलाकार को अपमानित करना गलत है।"अपने सामाजिक योगदान का जिक्र करते हुए खेसारी ने कहा, "मैंने अब तक 62 अनाथ बच्चों को गोद लिया है। उनकी पढ़ाई और परवरिश की जिम्मेदारी मेरी है। कई गरीब बेटियों की शादी कराई है और बाढ़ पीड़ितों की मदद भी की है। मैं दिल से काम करता हूं, जबकि कुछ लोग सिर्फ दिमाग से राजनीति करते हैं — फर्क बस इतना है।"उन्होंने यह भी कहा कि लोग उनके गानों को लेकर जो चाहें कहें, लेकिन वे समाज के हर तबके को खुश करने के लिए गाना गाते हैं। "लोग वही सुनते हैं जो उन्हें पसंद आता है। एक कलाकार की जिम्मेदारी है कि वो सबका मन रखे। अगर मैं नाचता हूं, तो इसलिए कि मेरे नाचने से किसी की मुस्कान लौटती है।"खेसारी के इस जवाब ने न सिर्फ सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, बल्कि चुनावी माहौल में सांस्कृतिक बहस को भी जन्म दे दिया है। एक तरफ एनडीए के नेता उनके बयानों पर निशाना साध रहे हैं, वहीं राजद समर्थक खेसारी के आत्मविश्वास और बेबाकी की तारीफ कर रहे हैं।

पीएम मोदी के बिहार दौरे पर गरमाई सियासत

» जदयू-भाजपा ने बताया ऐतिहासिक, कांग्रेस ने कसा तंज

बीएनएम @ पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी बिहार दौरे को लेकर राज्य की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। पीएम मोदी शुक्रवार को समस्तीपुर से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे, जबकि उनका अगला कार्यक्रम 8 नवंबर को बेतिया में प्रस्तावित है। इस दौरे को लेकर एनडीए उत्साहित है, वहीं विपक्षी दलों ने इस पर व्यंग्य किया है।जदयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी अभियान की शुरुआत समस्तीपुर की धरती से होना बिहार के लिए गौरव की बात है। हमारे नेता नीतीश कुमार भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। केंद्र और राज्य की सरकारें मिलकर बिहार के विकास के लिए लगातार काम कर रही हैं।"वहीं, भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का आगमन हमेशा एक विशेष अवसर होता है। "उत्तर बिहार का माहौल पहले से ही सकारात्मक है, लेकिन अब यह हवा आंधी में बदलने वाली है। प्रधानमंत्री ने गरीबों के लिए जो काम किया है, उसकी वजह से हर परिवार उन्हें अपना मानता है," जायसवाल ने कहा।दूसरी ओर, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस दौरे पर तंज कसते हुए कहा, "उन्हें आने दीजिए, इसमें क्या हुआ? बिहार सबको बुलाता है। लेकिन बिहार को अच्छी तरह पता है कि किसे मेहमान बनाकर बुलाना है और किसे सरकार के लिए।"पीएम मोदी का यह दौरा विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए की चुनावी रणनीति को गति देने वाला माना जा रहा है, जबकि विपक्ष इसे "राजनीतिक शो" करार दे रहा है।

मोहनिया में राजद ने रवि पासवान को दिया समर्थन, चुनावी समीकरण बदले

बीएनएम @ पटना/मोहनिया

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच मोहनिया सीट पर चुनावी लड़ाई अचानक हाई-वोल्टेज बन गई है। आरजेडी उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन रद्द होने के बाद पार्टी ने बड़ा कदम उठाते हुए निर्दलीय उम्मीदवार रवि पासवान को खुला समर्थन देने का ऐलान किया है।रवि पासवान राजनीति में नए नहीं हैं। वे सासाराम के पूर्व सांसद छेदी पासवान के बेटे हैं और पहले बीजेपी तथा JDU के टिकट पर राजनीति में सक्रिय रहे हैं। 2015 में उन्होंने समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ा था, जबकि अब आरजेडी के समर्थन के साथ वे मैदान में उतर रहे हैं। इस बार उनका मुकाबला बीजेपी की संगीता कुमारी से होगा।मोहनिया विधानसभा सीट सासाराम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है और अनुसूचित जाति (SC) के लिए आरक्षित है। यहां दलित मतदाताओं की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है और कुल मतदाता संख्या करीब 2.6 लाख है। पिछले चुनावों में सीट का रुझान लगातार बदलता रहा है, जिससे यह किसी एक दल की मजबूत सीट नहीं बन पाई है|श्वेता सुमन ने नामांकन रद्द होने के बाद प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि बीजेपी के दबाव में उनके नामांकन को रद्द किया गया।इस फैसले के साथ मोहनिया सीट का चुनाव अब केवल पार्टियों के बीच की लड़ाई नहीं बल्कि चेहरों और जनाधार की टक्कर बन गया है, और आने वाले दिनों में यह पूरे बिहार में चर्चा का केंद्र बनेगा।

आरजेडी में लोकतंत्र नहीं, बल्कि परिवार तंत्र चलता है : सम्राट चौधरी

» तेजस्वी यादव के सीएम फेस घोषित होने पर बीजेपी का हमला

» महागठबंधन पर परिवारवाद और अवसरवाद के आरोप

बीएनएम @ पटना

सम्राट चौधरी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रणभूमि में महागठबंधन ने आखिरकार तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया। इस ऐलान के कुछ ही घंटों में बीजेपी नेताओं ने महागठबंधन पर तीखे बयानबाजी के जरिए हमला बोला, जिससे चुनावी माहौल में हलचल बढ़ गई है।केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस घोषणा को "ठगबंधन" बताते हुए कहा, "मुझे इसमें कोई आश्चर्य नहीं हुआ। यह गठबंधन नहीं, ठगबंधन है। ये मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं।" उनके बयान से साफ है कि बीजेपी इस मुद्दे को जनता के बीच लेकर महागठबंधन की साख पर हमला करने की रणनीति तैयार कर रही है।उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने महागठबंधन पर परिवारवाद का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "यह बात शुरू से ही साफ थी कि लालू प्रसाद यादव अपने परिवार से बाहर किसी को सत्ता की बागडोर नहीं देंगे। बिहार की जनता जानती है कि आरजेडी में लोकतंत्र नहीं, बल्कि परिवार तंत्र चलता है। तेजस्वी यादव को आगे लाना इसी सोच का नतीजा है।" सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि जिस तरह से उम्मीदवारों की घोषणा और सीएम फेस तय किया गया, उससे स्पष्ट है कि महागठबंधन सत्ता के लिए अवसरवादी ढंग से एकजुट हुआ है।बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि तेजस्वी के पिता लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले के चार मामलों में 32.5 साल की सजा पा चुके हैं और तेजस्वी खुद IPC की धारा 420 के आरोपी हैं। उन्होंने जनता से कहा कि विकास और सुशासन का काम बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है और आगे भी वही करेंगे।बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने महागठबंधन के फैसले को "महाभूल" बताया। उनका कहना था कि महागठबंधन का MY समीकरण अब 'मुस्लिम-यादव' नहीं बल्कि 'मुकेश सहनी-तेजस्वी यादव' बन गया है, और कांग्रेस ने तेजस्वी और लालू के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से महागठबंधन के भीतर असंतोष और दरार दोनों स्पष्ट रूप से दिख रही है | इस प्रकार, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महागठबंधन और एनडीए के बीच राजनीतिक टकराव और बयानबाजी ने राजनीतिक परिदृश्य को और गरम कर दिया है। आने वाले दिनों में यह देखने लायक होगा कि तेजस्वी यादव के सीएम फेस के ऐलान का प्रभाव जनता और गठबंधन दलों की राजनीति पर किस प्रकार पड़ता है।

जनता के दूरगामी हितों की बलि

तेजस्वी नीतीश की घोषणाओं की आलोचना कर रहे हैं। मगर बात वोट खरीदने की हो, तो जुबानी शाहखर्ची में वे भी कोताही नहीं बरतते। और यह कहानी देश भर की है। इस होड़ में जनता के भविष्य की बलि चढ़ रही है। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जिन 75 लाख परिवारों के पास मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये पहुंचे हैं, बेशक उनके यहां इस बार त्योहारों की रंगत खासी बढ़ गई होगी। अगली किस्तों में लाखों अन्य महिलाओं के खातों में इतनी ही रकम जाएगी। राज्य सरकार ने इस योजना पर 20,000 करोड़ रुपये खर्च करने का इरादा जताया है। साथ ही नीतीश कुमार सरकार ने लगभग 15 ऐसे निर्णय लिए हैं, जिनसे 50 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ सालाना बजट पर पड़ेगा। बिहार का पिछला बजट 3.15 लाख करोड़ रुपये का था। मुख्यमंत्री की कुल हालिया घोषणाओं से उसके लगभग 15 प्रतिशत बराबर की रकम खर्च होगी। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मुताबिक चुनाव से पहले केंद्र और राज्य सरकारों ने राज्य के लिए जो योजनाएं घोषित की हैं, वे सात लाख करोड़ रुपये से अधिक की हैं। यादव का सवाल वाजिब है कि आखिर पैसा कहां से आएगा? हाल में सीएजी ने राज्यों पर मौजूद कर्ज के बारे में रिपोर्ट पेश की है। उसके मुताबिक कोरोना काल के बाद से बिहार पर कर्ज दोगुना हो गया है। यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 39 फीसदी तक पहुंच चुका है। फिलहाल जो तोहफे बांटे जा रहे हैं, चूंकि उनके बारे में यह नहीं बताया गया है कि अतिरिक्त राजस्व कहां से जुटाया जाएगा, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसा कर्ज लेकर होगा। याद रखना चाहिए कि ऋण के साथ ब्याज और मूल धन दोनों चुकाने की सालाना चुनौती बढ़ती जाती है। नतीजतन, पूंजीगत एवं बुनियाद मजबूत करने वाली कल्याणकारी योजनाओं में निवेश की क्षमता सिकुड़ती जाती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय राजनीति में आज इसकी चिंता किसी को नहीं है। तेजस्वी भले नीतीश की घोषणाओं की आलोचना कर रहे हों, मगर जब बात वोट खरीदने की हो, तो जुबानी शाहखर्ची में वे भी कोई कोताही नहीं बरतते। और यह कहानी देश भर की है। मतदाताओं को जश्न के फ़ौरी मौके देकर नेता अपने सियासी भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं। लेकिन इस होड़ में जनता के दूरगामी हितों की बलि भी चढ़ रही है।

इस तरह के विश्व रिकॉर्ड्स का क्या किया जाए

एड.संजय पांडे

उत्तर प्रदेश में दीपोत्सव की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी, जब केवल 1.71 लाख दीये जलाए गए थे। तब से हर वर्ष यह आयोजन और भव्य होता गया है, और 2025 में इसकी संख्या बढ़कर 26.17 लाख तक पहुंच गई। अयोध्या में इस वर्ष दीपोत्सव 2025 में राम की पैड़ी और सरयू नदी के तटों पर करीब 26,17,215 दीये एक साथ जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। यह आयोजन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा प्रमाणित किए जाने की प्रक्रिया में है। इस अवसर पर 2,128 श्रद्धालुओं ने एकसाथ आरती और दीये-प्रज्वलन का समवर्ती अनुष्ठान किया, जो एक अलग रिकॉर्ड के रूप में दर्ज हुआ। कार्यक्रम में लगभग 33,000 स्वयंसेवक और हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। भाजपा सरकार के अनुसार दीपोत्सव का उद्देश्य अयोध्या को एक वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में प्रस्तुत करना है। ड्रोन शो, लेजर लाइटिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और तकनीकी प्रदर्शनों के साथ "नव-अयोध्या", "धार्मिक पर्यटन" और "संस्कृति-विकास" के प्रतीक के रूप में अयोध्या की ब्रांडिंग करके स्थानीय अर्थव्यवस्था और सेवा क्षेत्र को लाभ मिलने का दावा किया जा रहा है। जिससे पर्यटन-उद्योग, होटल-अकॉमोडेशन, स्थानीय सेवा-उद्योग को बल मिलने, अयोध्या में रियल इस्टेट की कीमतें कई गुना बढ़ने कुम्हार-परिवारों और हस्तशिल्प कारीगरों को रोजगार और आय का स्रोत मिलने का दावा शामिल है। लेकिन इसी सिक्के का दूसरा पहलू भी है। टीका टिप्पणी को हवा ना मिले इसके लिए पिछले ढेरों सालों से हो रहे अयोध्या के दीपोत्सव के संबंध में कुछ बजट आबंटन या खर्च-संबंधी जानकारी पूरी तरह से वर्ष-वार स्पष्ट व विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक नहीं हैं। तो क्या यूपी सरकार के पास इस क्षेत्र में उपलब्धि वाकई सराही जाने योग्य है? क्या करदाताओं के पैसों से और सरकारी खर्चों से किये जा रहे ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने से उत्तर प्रदेश की समस्याएं हल हो सकती हैं? ऐसे सवाल उठ रहे हैं। ऐसे अजीब रिकॉर्ड्स का यूपी करेगा क्या? इन आयोजनों पर कितना खर्च हो रहा है और अयोध्या शहर को हुआ फायदा क्या यूपी को भी हो रहा है ऐसे कई सवाल बरकरार हैं। एक तरफ ऐसे आयोजनों पर बेशुमार खर्च करके किसी तरह के रिकॉर्ड बनाना और अपनी असली हकीकत से मुँह छुपाना ये अपने आप मे विरोधाभास है. उत्तर प्रदेश भारत का एक ऐसा राज्य है, जो अपनी विशाल क्षमता के बावजूद गरीबी, कम साक्षरता, खराब स्वास्थ्य, और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण पिछड़ा हुआ है। यह न केवल भारत के अन्य राज्यों से, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी कई विकासशील देशों से पीछे है। ऐसे में बजट और संसाधनों का बड़ा हिस्सा ऐसे आयोजनों में व्यय होता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय विकास जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर ध्यान कम हो सकता है। "रिकॉर्ड बनाने" की प्रवृत्ति कहीं विकास की प्राथमिकताओं को पीछे न छोड़ दे, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश (यूपी), भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, अपनी विशाल जनसंख्या (लगभग 24 करोड़) के कारण वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान या ब्राजील से तुलनीय है। लेकिन सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संकेतकों में यह भारत और दुनिया के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता है। नीति आयोग, रघुराम राजन समिति (2013), और संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, यूपी BIMARU (बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश) समूह का हिस्सा है, जो भारत के विकास को पीछे खींचता है। कुछ संकेतकों में यूपी की स्थिति उप-सहारा अफ्रीकी देशों (जैसे माली) से भी बदतर है। 2025 तक के नवीनतम आंकड़े (NITI Aayog MPI 2023, RBI 2024) सुधार दिखाते हैं, लेकिन यूपी अभी भी कई मामलों में सबसे निचले पायदान पर है।उन प्रमुख क्षेत्रों का विश्लेषण करता है, जिनमें उत्तर प्रदेश पिछड़ा है, और इसके कारणों की पड़ताल करना सरकार कब का भूल चुकी है. गरीबी और बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) की पड़ताल करें तो उत्तर प्रदेश में 22-25% आबादी (लगभग 5 करोड़ लोग) बहुआयामी गरीबी में जी रही है। इसमें पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, और स्वच्छता जैसे मूलभूत क्षेत्र शामिल हैं। NITI आयोग के 2023 के आंकड़ों के अनुसार, यूपी भारत में बिहार (33%) और झारखंड (28%) के बाद तीसरे स्थान पर है। वैश्विक MPI में यूपी निचले 20% राज्यों में आता है, जो इसे माली ($2,246 PPP) जैसे देशों के करीब लाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और खराब है, जहाँ स्वच्छ पेयजल और बिजली तक सीमित पहुंच है। 2024 में यूपी की प्रति व्यक्ति आय 93,422 (NSDP) है, जो राष्ट्रीय औसत (1.7 लाख) से 45% कम है। यह भारत के निचले पांच राज्यों (बिहार, ओडिशा, झारखंड, मणिपुर) में शामिल है। खरीद शक्ति समता (PPP) में यह $2,252 है, जो वैश्विक स्तर पर निम्न-आय वाले देशों के बराबर है। 2012 के बाद से आय दोगुनी हुई, लेकिन विकास दर अन्य राज्यों की तुलना में धीमी है, जिससे यूपी आर्थिक रूप से पिछड़ता है। यूपी की साक्षरता दर 67.7% (2011 अपडेट 2024) है, जिसमें पुरुष 77.3% और महिलाएँ 57.2% हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 60% से भी कम है। यह भारत के निचले 10 राज्यों में शामिल है, जहाँ राष्ट्रीय औसत 74% है। विशेष रूप से महिला साक्षरता में यूपी 28वें स्थान पर है, जो BIMARU राज्यों में सबसे कम है। शिक्षा की गुणवत्ता भी निम्न है, और स्कूल ड्रॉपआउट दर (विशेषकर लड़कियों में) राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उत्तर प्रदेश में शिशु मृत्यु दर (IMR) 64 प्रति 1,000 जन्म और मातृ मृत्यु दर (MMR) 167 प्रति लाख जन्म है। यह भारत में सबसे खराब IMR और तीसरी सबसे खराब MMR (बिहार और असम के बाद) है। ये आंकड़े कई अफ्रीकी देशों (जैसे माली, चाड) से भी बदतर हैं। NFHS-5 (2019-21) के अनुसार, टीकाकरण और पोषण की कमी ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर समस्या है। इसके अलावा, कोविड-19 के दौरान यूपी में सड़क हादसों से 41,746 मौतें हुईं, जो स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रणालियों की कमजोरी दर्शाता है। यूपी में बेरोजगारी दर 7-8% (NSSO 2023) है, जो राष्ट्रीय औसत (6%) से अधिक है। 50 लाख से अधिक मजदूर रोजगार के लिए अन्य राज्यों (महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली) में प्रवास करते हैं। BIMARU राज्य भारत की 45% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन GDP में केवल 8-9% योगदान देते हैं। यूपी की अर्थव्यवस्था 70% कृषि पर निर्भर है, लेकिन कम उत्पादकता और बाढ़-सूखा जैसी समस्याएँ इसे और कमजोर करती हैं। यूपी में बुनियादी ढांचा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, बेहद कमजोर है। वैश्विक स्तर पर खुले में शौच के 60% मामले भारत में हैं, और यूपी इसका बड़ा हिस्सा है। स्वच्छ भारत मिशन के बावजूद, ग्रामीण स्वच्छता में प्रगति धीमी है। सड़क घनत्व राष्ट्रीय औसत से कम है, और 101 आकांक्षी जिलों में से 6 (श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, चंदौली, फतेहपुर, बहराइच) यूपी में हैं। पूर्वी यूपी विशेष रूप से पिछड़ा है। यूपी में गंगा नदी का प्रदूषण वैश्विक स्तर पर उच्च है, और गंगा सफाई परियोजना असफल रही है। कृषि, जो 70% आबादी का आधार है, कम उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रही है। प्रति हेक्टेयर उपज राष्ट्रीय औसत से कम है, और बाढ़-सूखे से वार्षिक नुकसान होता है। यह यूपी को पर्यावरणीय और आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। यूपी में अपराध दर, विशेष रूप से पुलिस हिरासत में मौतें (2014 में 365), भारत में सबसे अधिक हैं। जाति और सांप्रदायिक हिंसा भी आम है। NCRB और NHRC के आंकड़े दिखाते हैं कि यूपी के 75 जिलों में शासन और विकास असमान है। राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार ने दीर्घकालिक विकास को बाधित किया है। सभी भाजपा और आरएसएस नेताओं में कम्युनिस्टों के प्रति घोर घृणा का भाव देखा जाता है। कम्युनिस्ट पार्टी शासित राज्य केरल से उत्तर प्रदेश की तुलना किसी भी मायने में नहीं की सकती। केरल सरकार सार्वजनिक सुरक्षा और सुविधाओं को महत्व देती है वही केरल की प्रगति का एक मुख्य कारण है।

बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न के बीच आईएमएफ : ढहती अर्थव्यवस्था

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का हालिया निर्णय, जिसमें उसने बांग्लादेश की नई सरकार बनने तक अगली किस्त जारी करने से इनकार किया है, इसके माध्यम से बता दिया है कि यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उस गहरी चिंता का प्रतीक है जो इस देश के शासन तंत्र की नीतिगत सड़ांध और नैतिक गिरावट को देख रही है। वस्तुतः आईएमएफ ने बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया है। संगठन ने साफ कर दिया है कि वह लोन की छठी किस्त तब तक जारी नहीं करेगा, जब तक बांग्लादेश में स्थायी, निर्वाचित और वैधानिक सरकार नहीं बन जाती। आईएमएफ ने जनवरी 2023 में बांग्लादेश के लिए 5.5 अरब डॉलर का पैकेज स्वीकृत किया था। इस राशि का उद्देश्य था; विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर करना, मुद्रा 'टका' की गिरावट रोकना और बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण पाना। पाँच किस्तों में से 3.6 अरब डॉलर पहले ही जारी किए जा चुके हैं लेकिन करीब 800 मिलियन डॉलर की छठी किस्त रोक दी गई है। अब आईएमएफ के इस फैसले को महज आर्थिक कदम मानना भूल होगी। यह एक प्रकार का राजनीतिक और नैतिक दबाव है, जो संकेत देता है कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान बजट या बैलेंस शीट नहीं देखते बल्कि यह भी परखते हैं कि शासन में पारदर्शिता, नागरिक सुरक्षा और धार्मिक समानता का कितना पालन हो रहा है। देश के भीतर प्रशासनिक रिश्वतखोरी की स्थिति भयावह है। पासपोर्ट सेवा में 75 प्रतिशत, वाहन पंजीकरण में 72 प्रतिशत और न्यायिक सेवाओं में 34 प्रतिशत लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचाती बल्कि नागरिकों के बीच शासन के प्रति अविश्वास भी पैदा करती है। माना जा रहा है कि आईएमएफ का भरोसा टूटने का एक कारण यह भी है, क्योंकि किसी भी आर्थिक सुधार को लागू करने के लिए सबसे पहले प्रशासनिक ईमानदारी और पारदर्शिता चाहिए, जो ढाका में दुर्लभ है।

यूनुस सरकार पर बढ़ता दबाव- नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, जिन्हें कभी गरीबों का मसीहा कहा गया, आज उसी मंच पर आलोचना का केंद्र बने हुए हैं। साल 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यूनुस ने सेना समर्थित अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभाला लेकिन वह न तो आर्थिक स्थिरता दे पाए न राजनीतिक भरोसा। आईएमएफ, विश्व बैंक और विदेशी निवेशक, सभी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे केवल एक लोकतांत्रिक, जनादेश-आधारित सरकार के साथ ही दीर्घकालिक सहयोग करेंगे।

धार्मिक उत्पीड़न और आर्थिक अस्थिरता- बांग्लादेश की आर्थिक गिरावट केवल वित्तीय अनुशासन की कमी से नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता और धार्मिक उत्पीड़न से भी जुड़ी है। जब किसी समाज में भय का वातावरण होता है, जब नागरिकों को सुरक्षा नहीं मिलती, तो निवेशकों का भरोसा भी डगमगाने लगता है। आईएमएफ और अन्य वैश्विक संस्थान इन संकेतों को गंभीरता से लेते हैं। हिंदू समुदाय, जो बांग्लादेश की कुल आबादी का लगभग 8 प्रतिशत है, ऐतिहासिक रूप से व्यापार, शिक्षा और पेशेवर वर्गों में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है। जब इस समुदाय को निशाना बनाया जाता है, तो स्थानीय बाजार और उत्पादन चक्र कमजोर पड़ते हैं। उद्योग-धंधों में अस्थिरता आती है और उपभोक्ता विश्वास टूटता है। यह सीधे जीडीपी और रोजगार दर को प्रभावित करता है।

भय और उत्पीड़न के बीच जीता हिंदू अल्पसंख्यक- बांग्लादेश का सामाजिक संकट उसकी अर्थव्यवस्था जितना ही गंभीर है। देश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हमले हो रहे हैं। साल 2025 में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हिंसा अपने चरम पर रही। वर्ष के पहले छह महीनों में ही 250 से अधिक हमले, 27 हत्याएँ, और 60 से ज़्यादा मंदिरों पर हमले हुए। साल 2023 में 302 घटनाएँ, जबकि साल 2024 में (दिसंबर तक) 2,200 से अधिक मामले दर्ज हुए। अगस्त 2024 से अगस्त 2025 के बीच 1,700 से अधिक दर्ज घटनाएँ, कम से कम 23 ज्ञात मौतें और 150 से अधिक मंदिरों को नुक़सान की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में हुई। जिनमें सैकड़ों हिंदू परिवारों को घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मानवाधिकार संगठन "हिंदू बौद्ध ख्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल" के अनुसार पिछले एक वर्ष में 1,045 घटनाओं में 45 लोगों की हत्या हुई, 479 घायल हुए और 102 मंदिरों या व्यवसायों को नुकसान पहुंचाया गया। यह स्थिति केवल धार्मिक असहिष्णुता नहीं, बल्कि शासन की निष्क्रियता और सामाजिक नियंत्रण की विफलता का प्रमाण है।

सामाजिक न्याय और आर्थिक नीति का विघटन- आईएमएफ ने कई बार स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश को वित्तीय सुधारों के साथ ही प्रशासनिक और सामाजिक सुधारों की आवश्यकता है। आगे आईएमएफ का प्रतिनिधिमंडल 29 अक्टूबर से देश की दो सप्ताह की समीक्षा करेगा। यह दल बांग्लादेश बैंक, वित्त मंत्रालय और आर्थिक सुधार बोर्ड से मुलाकात करेगा और तय करेगा कि सहायता की अगली किस्त जारी की जाए या नहीं।

भ्रष्टाचार और शासन की विश्वसनीयता का ह्रास- भ्रष्टाचार और अल्पसंख्यक विरोधी हिंसा, दोनों बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय साख को चोट पहुंचा रहे हैं। विदेशी निवेशक अब ढाका को जोखिमपूर्ण बाजार मानने लगे हैं। वर्ष 2024 के अंत तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निर्यात वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत से घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई। बांग्लादेश बैंक की रिपोर्ट बताती है कि विदेशी मुद्रा भंडार भी एक वर्ष में 39 अरब डॉलर से घटकर 22.5 अरब डॉलर पर आ गया है। बांग्लादेश की मौजूदा परिस्थिति दिखाती है कि किसी भी देश की आर्थिक नीतियाँ धर्म और राजनीति से अलग नहीं रह सकतीं। जब शासन एक वर्ग के प्रति पक्षपाती हो, कानून व्यवस्था चरमपंथियों के नियंत्रण में आ जाए और प्रशासनिक संस्थाएँ भ्रष्टाचार से ग्रस्त हों, तो अर्थव्यवस्था अपने आप ढहने लगती है। दरअसल, यहां हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार केवल एक मानवाधिकार संकट नहीं है, यह उस आर्थिक प्रणाली की विफलता है जो समान अवसर और सुरक्षा देने में असफल रही है। ऐसे में आईएमएफ का संदेश साफ नजर आता है कि "वित्तीय स्थिरता, सामाजिक न्याय से अलग नहीं हो सकती।" अब आईएमएफ की इस रोक ने बांग्लादेश को एक निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है। अगर देश अब भी सुधारों की राह नहीं अपनाता, तो आने वाले महीनों में विदेशी मुद्रा संकट, महंगाई और बेरोजगारी का विकराल रूप सामने आएगा। यहां लगता है, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का बांग्लादेश के लिए संदेश स्पष्ट है; उसे तय करना होगा कि वह किस दिशा में जाना चाहता है; एक ऐसा देश जो भ्रष्टाचार, धार्मिक कट्टरता और राजनीतिक हठ का प्रतीक बने या वह राष्ट्र जो अपनी गलतियों से सबक लेकर स्थायी विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की राह चुने।

आज का राशिफल

मेषः मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा, नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा।

वृष : वृष राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कामों में आपकी रूचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है।

मिथुन : मिथुन राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। आपका उत्साह भी बढ़ेगा। भाई-बहनों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क : कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रह सकता है। किस्मत का साथ मिलने में परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रुपक्ष आपकी योजनाओं से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

सिंह : सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें इसके लिए आपको अच्छी डाइट लेनी चाहिए।

कन्या : कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही माता-पिता की नाराजगी आज आपसे ख़त्म होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज कोई जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं।

तुला : तुला राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा। राइटर आज कोई नई स्टोरी लिख सकते हैं जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जायेगा। परिवार में नए सदस्य के जुड़ने से सभी लोग बहुत खुश होंगे।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं, आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कोरियर का बिज़नस कर रहे कारोबारियों का आज फायदा होगा।

धनु : धनु राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे, साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने का प्लानिंग कर सकते हैं।

मकर : मकर राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेंट में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आज आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुभ : कुंभ राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे, जिसे आप अपने किसी ख़ास मित्र से शेयर भी करेंगे, आपको राहत मिलेगी। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जायेंगे जहाँ बाकी दोस्तों के साथ इंजॉय करने का मौका मिलेगा।

मीन : मीन राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार सोसाइटी में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर फ्लोवर डेकोरेशन का काम भी करवा सकते हैं। कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। मौसम के बदलने से आज बेचैनी थोड़ी बढ़ सकती है, खूब पानी पीयें, स्वास्थ्य चेतन्न रहेगा।

भारत में गरीबों का गुस्सा

हरिशंकर व्यास

हिंदू धर्म में लक्ष्मीपुत्रों के खिलाफ क्रांति संभव ही नहीं! भारत असमानता का अब वैश्विक उपमहाद्वीप है। 140 करोड़ लोगों की आबादी है। पर इनकी कुल संपत्ति का 60 प्रतिशत सिफ़र् एक प्रतिशत परिवारों के पास है! हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट मानें तो भारत में 1,687 व्यक्तियों की संपत्ति हज़ार-हज़ार करोड़ रुपए से अधिक है, और 358 अरबपतियों की औसत संपत्ति 8,500 करोड़ रू से ऊपर। भारत जैसी गरीब-अमीर की असमानता दुनिया में और कहीं नहीं है। ये आंकड़े किसी भी देश को बेचैन कर देंगे मगर भारत में लोग ऐसी असमानता का अनुभव करते हुए भी नहीं सोचते। हिंदू ले दे कर भाग्य का हवाला देंगे। तभी भारत के खरबपति-अरबपति हमेशा निश्चिंत रहे हैं! उन्हें कभी डर नहीं लगता, चिंता नहीं होती क्योंकि असमानता हिंदू समाज का नैतिक संकट नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वभाव और धर्म की व्यवस्था है। इसलिए मनु जोसेफ़ की किताब 'क्यों गरीब हमें नहीं मारते' का विषय अच्छा और विचारणीय है। इस पर कल लंदन की पत्रिका 'द इकोनॉमिस्ट में समीक्षा पढ़ने को मिली। और अपने को फिर जाहिर हुआ कि दुनिया भारत के डीएनए, सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक मनोभावों का लेकर कितनी बेखबर व अनजान है। पर पहले 'क्यों गरीब हमें नहीं मारते' की थीसिस पर गौर करें। पुस्तक में अमीरों की इस सोच का हवाला है कि भारत में नौकर, ड्राइवर, और कामगार पहले जैसे आज्ञाकारी नहीं रहे। मगर यह डर, चिंता नहीं, बल्कि महज एक शिकायत है। और मेरा मानना है यह वह शिकायत है जो अमीर में ही नहीं, बल्कि भारत के मध्य वर्ग में भी है। आखिर भारत में अब संजीदगी, ईमानदारी से काम कितने लोग करना चाहते हैं? जो सबसे गरीब हैं, कामगार, सेवा प्रदाता है उनकी उम्मीदें आसमान छूती हैं पर वे मेहनत से तौबा करते हैं। उनकी सोच, मकसद और जुगाड श्रम, मेहनतकश ईमानदारी से नहीं, बल्कि माईबाप सरकार से नौकरी, राशन और पैसा लेने का होता है। लोग बेगारी और बेरोज़गारी या छोटी-छोटी नौकरियों में भले घिसते रहें लेकिन जो काम मिलता है उसे कामचोरी से जैसे-तैसे निपटाया जाता है। यह स्वतंत्र भारत की माईबाप सरकार के मंत्रों का कुल लब्बोलुआब है। 'द इकोनॉमिस्ट की दृष्टि में पुस्तक अमीरों की उस मानसिकता का खुलासा करती है जो यह मानती है कि समाज में शांति इसलिए है क्योंकि गरीबों ने अपनी हैसियत स्वीकार कर ली है। यानी असमानता अब नैतिक नहीं, स्वाभाविक लगने लगी है। अमीरों को सिफ़र् इतना भय है कि जिन लोगों ने अब तक उन पर भरोसा किया, वे अब भरोसा खो रहे हैं। मनु जोसेफ़ का तर्क है कि भारत में गरीबों का गुस्सा कभी सामाजिक हिंसा में नहीं बदलता क्योंकि समाज ने उन्हें नियंत्रण में रखने के कई 'सुरक्षित वाल्व' बना दिए हैं। जैसे पुलिस की सख़्ती, धार्मिक सहिष्णुता, शिक्षित होने की आकांक्षा, और यह भ्रम कि अंग्रेज़ी या डिग्री से एक दिन सभी अमीर बन जाएंगें। मतलब साहेब बन जाएंगे। मेरी राय में यह तर्क यथार्थ के करीब है, पर अधूरा। इसलिए क्योंकि 'द इकोनॉमिस्ट की दलील अनुसार यह स्थायित्व स्थायी नहीं है। इतिहास बताता है कि जब उम्मीद और वास्तविकता के बीच की खाई बहुत चौड़ी हो जाती है, तो समाज की नींव हिल जाती है। सो, भारत का असली खतरा (याकि क्रांति) अब गरीबों से नहीं, बल्कि निराश मध्य वर्ग से है। उस मध्यम वर्ग से जो शिक्षित है, सपने रखता है, पर अवसर खलास है। यह वर्ग नक्सल भले नहीं बने लेकिन लोकतंत्र पर से भरोसा खो देगा और जब भरोसा टूटता है, तो समाज की नैतिक एकता बिखर जाती है। मतलब यह कि मनु जोसेफ़ ने बीमारी को पहचाना। पर उन्होंने असमानता और अमीरों की आत्मसंतुष्टि पर भविष्य का खतरा गलत जगह देखा। अगली बेचैनी नीचे (निर्धन) से नहीं, बीच (मध्य वर्ग) से उठेगी। तो सवाल है क्या मध्य वर्ग का नौजवान विद्रोह करेगा? क्या भारत में आर्थिक असमानता पर कोई सामाजिक क्रांति संभव है? मेरा जवाब है, कतई नहीं। भारत क्रांतिप्रूफ देश है। वजह सांस्कृतिक और धर्म है। भारत में धन मतलब लक्ष्मी है। वह पूजनीय है। और जो लक्ष्मी पाता है वह लक्ष्मीपुत्र, पूर्वजन्म की पुण्यताओं, कर्मों से धनपति बना होता है। इसलिए वह भी पूजनीय है। अडानी, अंबानी या 1,687 लोग भले क्रोनी पूंजीवाद, सरकार की मेहरबानियों याकि सरकारी उल्लुओं की सवारी, मनमानी मुनाफे-लूट से अरबपति बने हों मगर यह सब होना लक्ष्मीजी की कृपा से है तो उनका भाग्य है। जो गरीब है वह गरीबी-संघर्ष-फाकापरस्ती का भाग्य लिए हुए है और जो सेठ है वे सेठ होने की किस्मत पाए हुए है। यह बात घर-घर की मनोदशा है। डीएनए में पैठी हुई है! कैसे पैठी? ब्राह्मण शिरोमणि मनु महाराज की कृपा से। कोई न माने मेरी इस थीसिस को मगर पूरे इतिहास का यह स्थायी सत्य है कि 'मनुस्मृति ने वैश्य जाति का खूंटा कुबेर का खजाना बनाया। उस नाते मनु को सर्वाधिक वैश्यों को ही पूजना चाहिए। और ईसा पूर्व काल से ले कर इक्कीसवीं सदी के ढाई हजार वर्षों का सत्य है जो हर काल में बनिए, वैश्य ही हिंदुओं के अमीर हुए। हर दरबार के असल दरबारी सर्वाधिक सुरक्षित, सर्वाधिक मनपसंद खजांची रहे। 'मनुस्मृति के रचियता ब्राह्मण ने अपने हाथ में कलम, पोथी, दीक्षा-भिक्षा रखी। वही ठाकुर (क्षत्रिय) को तलवार भांजने का राजधर्म दिया। और ये दोनों वर्ण जैन, बौद्ध, इस्लाम की हवा में भोथरा गए। ब्राह्मण कर्मकांडी हो गया। चिंतन-मनन-सवाल करना-सत्य साधना तथा शास्त्रार्थ छोड़ पुजारी-यजमान, कृपाओं से जीने लगा। वही उसके भटकने और नए धर्मों की सुनामियों के आगे क्षत्रिय भी वर्ण निर्धारित राजधर्म को छोड़ बादशाह अकबर का मान सिंह बन बैठा। इस्लाम से रोटी-बेटी का संबंध बनाए। तो इन दो वर्णों के बाद वैश्य जाति थी। और इनको क्या जिम्मा था? जवाब है मनुस्मृति, हिंदू धर्मशास्त्रों (ईसा पूर्व 200–ईसा 200) ने जो बनियों, अंबानी-अडानियों की जाति का जो कर्तव्य बनाया था उसे निभाते रहे। व्यापार और कर-संग्रह, खजाने सहित धन के पीछे भागते रहे। उसे व्यापार करना था, सौदा पटाना ऋण देना, ब्याज खाना था! कहने को धर्म, ब्राह्मण और क्षत्रिय की आज्ञा माननी थी। इसलिए वह ब्राह्मण की यजमानी, दान-दक्षिणा देने, धर्मादे-गौसेवा का छोटा सा हिस्सा रखता था। वही राजाओं, राजे-रजवाड़े के कर संग्रह, खजाना संभालने, व्यवस्थाएं करने में लगड़ी मारते हुए कमाई। मुनाफे और स्वार्थ में किसी किसी चूक के। क्योंकि व्यापार, धंधा और पैसा बनाना तो जाति धर्म है। स्वतंत्र भारत का लिखा व फैलाया भ्रष्ट इतिहास चाहे जो कहे लेकिन मनुस्मृति का सत्य वचन, इस्लाम के आने से पहले तक का तथ्य है कि नस्ल, धर्म के लिए 'मनुस्मृति ने सर्वाधिक महत्व, उपयोगी काम, शुद्र याकि शिल्प-सेवा-कारीगरी की जाति को दिया। बनिया व्यापार का कर्ताधर्ता, पैसे-लक्ष्मी-कुबेर का पालक था मगर उद्यमशीलता, कारीगरी, नवाचार, हस्तशिल्प, जीवनोपयोगी सेवाओं का कर्तव्य वहन चौथे वर्ग (सर्वाधिक अहम, जिसके बिना चलना संभव नहीं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आरसीबी जा सकते हैं सैमसन

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के 2026 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। आईपीएल 2025 सत्र में भी रॉयल्स की कप्तानी अधिकतर समय रियान पराग ने की थी और ऐसे में सैमसन का दबदबा टीम पर कम हुआ है। उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। जिससे भी रॉयल्स से उनके रिश्ते अब पहले जैसे नहीं रहे। पिछले कुछ समय से इस प्रकार की रिपोर्ट आ रही हैं किव संजू किसी अन्य टीम में जा सकते हैं। वहीं अब सैमसन की एक एक तस्वीर सोशल मीडिया में आई है। इसमें वह आरसीबी के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट गैब्रियल के साथ नजर आ रहे हैं। जिससे उनके आरसीबी की ओर जाने की अटकलें तेज हो गयी हैं। इस तस्वीर में गैब्रियल आरसीबी की जर्सी में हैं, जबकि सैमसन ने टीम इंडिया की ट्रेनिंग किट पहनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों को लग रहा है कि वे भले ही ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी कर रहे हों, लेकिन आईपीएल भी उनके दिमाग में चल रहा होगा। रॉयल्स के साथ सैमसन के संबंध पहले जैसे नहीं रहे हैं। इसके अलावा कोचिंग स्टाफ और प्रबंधन में भी बदलाव हुआ है ऐसे में सैमसन किसी और टीम से आईपीएल खेलने के प्रयास कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आरआर के कप्तान सैमसन ने फ्रेंचाइजी से औपचारिक रूप से उन्हें ट्रेड करने या नीलामी में रिलीज करने की अपील की है।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया, शृंखला 1-1 से की बराबर

एजेंसी, रावलपिंडी

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को रावलपिंडी टेस्ट में आठ विकेट से हराकर दो मैचों की शृंखला 1-1 से बराबर कर ली। स्पिन जोड़ी केशव महाराज और साइमन हार्मर ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए मेज़बानों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। महाराज ने मैच में कुल 9 विकेट (9/136) जबकि हार्मर ने 8 विकेट (8/125) हासिल किए। छोटे लक्ष्य 68 रन का पीछा करते हुए एडन मार्करम और रयान रिकेलटन ने आसान जीत दिलाई। पाकिस्तान ने पहली पारी में 333 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ़्रीका ने अपनी पहली पारी में 404 रन बनाए थे और 71 रनों की बढ़त हासिल की थी।

चौथे दिन पाकिस्तान की उम्मीदों पर पानी फिरा- चौथे दिन की शुरुआत में पाकिस्तान का स्कोर 94/4 था और कप्तान बाबर आज़म 49 रन बनाकर क्रीज़ पर डटे हुए थे। उन्होंने पचासा पूरा किया, लेकिन कुछ ही गेंद बाद साइमन हार्मर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर मेज़बानों को बड़ा झटका दिया।

इसके बाद पाकिस्तान की पारी बिखरती चली गई। मोहम्मद रिज़वान का कैच शॉर्ट लेग पर लपका गया और इसी के साथ हार्मर ने अपनी पारी की पांचवीं सफलता हासिल की। कुछ देर बाद नोमान अली भी विकेटकीपर को कैच थमा बैठे, जिससे हार्मर ने अपने फ़र्स्ट-क्लास करियर का 1000वां विकेट झटका। शाहीन अफरीदी रन आउट होकर लगातार तीसरी बार शून्य (डक) पर आउट हुए। सलमान अली आगा ने स्वीप और रिवर्स स्वीप से दो चौके जरूर लगाए, लेकिन वह भी केशव महाराज की गेंद पर बोल्ड हो गए। महाराज ने इसके बाद साजिद खान को स्टंप कराकर पाकिस्तान की पारी 138 रन पर समेट दी।

मार्करम-रिकेलटन ने दिलाई आसान जीत- लक्ष्य का पीछा करते हुए एडन मार्करम ने शानदार बैटिंग की और स्पिन तिकड़ी – नोमान अली, साजिद खान और आसिफ अफरीदी – को चारों ओर बाउंड्री लगाईं। मार्करम 42 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स स्लिप में कैच दे बैठे। अंत में रयान रिकेलटन (25)* ने सीधे छक्के से मैच समाप्त किया और दक्षिण अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

संक्षिप्त स्कोर:

पाकिस्तान: 333 और 138 (बाबर आज़म 50, सलमान आगा 28; साइमन हार्मर 6/50, केशव महाराज 2/34)

दक्षिण अफ्रीका: 404 और 73/2 (एडन मार्करम 42, रयान रिकेलटन 25*; नोमान अली 2/40)

परिणाम: दक्षिण अफ्रीका 8 विकेट से विजेता

एशेज टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे स्मिथ तरोताजा अनुभव कर रहे

» सीमित ओवरों के प्रारुपों से संन्यास का लाभ मिला

एजेंसी, सिडनी

आजकल एशेज क्रिकेट सीरीज की तैयारी में लगे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि सीमित ओवरों के प्रारुपों से संन्यास का उन्हें लाभ हुआ है। स्मिथ के अनुसार अब वह टेस्ट सीरीज के लिए तरोताजा अनुभव कर रहे हैं। पहले तीनों ही प्रारुपों में खेलने से मानसिक थकान हावी हो जाती थी। अब वह 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस अब भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। वह अगस्त के बाद से ही अभ्यास कर रहे हैं। स्मिथ ने अपने पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद से कहा, 'मैं मानसिक रूप से कहीं अधिक जल्दी थक जाता हूं। उन्होंने कहा, 'दस साल पहले मुझे वापसी करके हर संभव मैच खेलना बहुत पसंद था। अब टेस्ट क्रिकेट ही मेरे लिए प्राथमिकता बन गया है। स्मिथ ने कहा, 'मुझे पता है कि जब मैं शुरुआत में बहुत अधिक खेलता हूं तो तो गर्मियों के अंत तक मैं मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता। अपनी ऊर्जा बचाने और प्रारूपों को प्राथमिकता देने का अच्छा प्रभाव पड़ा है। स्मिथ ने पिछले सत्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दो शतक लगाये थे। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, 'पिछले साल मैं शायद गर्मियों के अंत में भारत के खिलाफ अपनी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी कर रहा था क्योंकि शुरुआत में मैंने अधिक क्रिकेट नहीं खेला था। तब दो शॉट लगाने के बाद ही मुझे लय हासिल हो गयी थी। मुझे लगता है कि अब मैं खेलने के लिए तैयार हूं।

सरफराज को भारत ए टीम में जगह नहीं मिलने का कारण सामने आया

एजेंसी, मुम्बई

बल्लेबाज सरफराज खान को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी भारत ए टीम में जगह नहीं मिलने से कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। वहीं अब इसका कारण सामने आया है। सरफराज को इसलिए शामिल नहीं किया गया है क्योंकि भारत ए के कप्तान बनाये गये विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जिस नंबर पर उतरते हैं। उसी पर सरफराज भी उतरते हैं। इसी कारण सरफराज को टीम में जगह नहीं मिल पायी। इसी कारण उन्हें टेस्ट सीरीज में भी अवसर नहीं मिल रहा। सरफराज को वर्तमान में टेस्ट टीम में जगह मिलना आसान नहीं दिख रहा। अगर हम टीम के क्रम को देखें तो उनकी जगह कहीं भी नहीं बन पा रही है। पारी की शुरुआम में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं तीसरे नंबर पर टीम साई सुदर्शन को उतार रही है जबकि चौथे पर कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करते हैं। ऐसे में सरफराज के केवल पांचवें नंबर का अववर है, जहां पर उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी रन भी बनाये है लेकिन इसपर ऋषभ उतरते हैं। निचले क्रम में वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में 8वें नंबर पर सरफराज को उतारने को कोई मतलब नहीं है।

पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच बने सैराज बहुतुले

एजेंसी, चंडीगढ़

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइज़ी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने बुधवार को पूर्व भारतीय क्रिकेटर और अनुभवी कोच सैराज बहुतुले को आगामी सीज़न के लिए टीम का नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। बहुतुले ने सुनील जोशी की जगह ली है, जो 2023 से 2025 तक इस भूमिका में रहे। सैराज बहुतुले घरेलू क्रिकेट के एक दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं और उन्हें एक बेहद सम्मानित क्रिकेट कोच के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने इससे पहले केरल, गुजरात, विदर्भ और बंगाल जैसी घरेलू टीमों के साथ कोचिंग की है, साथ ही राजस्थान रॉयल्स (आईपीएल फ्रेंचाइज़ी) के साथ भी काम किया है, जहां उन्होंने युवा प्रतिभाओं के विकास और विभिन्न प्रारूपों में गेंदबाज़ी रणनीतियों को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने बहुतुले का टीम में स्वागत करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, "हम सुनील जोशी को उनके समर्पण और पंजाब किंग्स के लिए वर्षों से किए योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हैं। आगे बढ़ते हुए, हमें सैराज बहुतुले का हमारे कोचिंग स्टाफ में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। सैराज का खेल के प्रति गहरा ज्ञान, विशेष रूप से घरेलू गेंदबाज़ों को तैयार करने और रणनीति बनाने का व्यापक अनुभव, हमारी टीम के लिए अमूल्य साबित होगा। उनकी विशेषज्ञता हमारे विज़न के अनुरूप है, जो आगामी सीज़न के लिए एक मजबूत और एकजुट गेंदबाज़ी इकाई बनाने पर केंद्रित है।" बहुतुले ने भी फ्रेंचाइज़ी से जुड़ने पर अपनी उत्सुकता जताई और कहा, "मैं आगामी आईपीएल सीज़न के लिए पंजाब किंग्स में स्पिन गेंदबाज़ी कोच के रूप में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह टीम अलग अंदाज़ में क्रिकेट खेलती है और मैं देख सकता हूँ कि इसकी क्षमता बहुत बड़ी है। टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और मैं उनके साथ काम करने, उनकी कौशल को निखारने और उन्हें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए उत्सुक हूँ।" यह नियुक्ति आगामी खिलाड़ी नीलामी और सीज़न से पहले टीम के कोर यूनिट को रणनीतिक विशेषज्ञता से सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

व्यापार

जोरदार शुरुआत के बाद मुनाफा वसूली के जाल में फंसा शेयर बाजार, मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार शुरुआत करने के बाद दिन के दूसरे सत्र में हुई मुनाफा वसूली के कारण मामूली बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई थी। 30 सितंबर 2024 के बाद आज पहली बार सेंसेक्स 85,000 अंक और निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर खुलने में सफल रहे। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से इन दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दिन के दूसरे सत्र में बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी और टेक सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा मेटल, एफएमसीजी और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, इंफ्रास्ट्रक्चर और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप

इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार की मजबूत क्लोजिंग के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 470.28 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि दिवाली की मुहूर्त ट्रेडिंग के बाद इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.89 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 61 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,852 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,409 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,847 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,651 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 727.81 अंक की मजबूती के साथ 85 हजार अंक के स्तर को पार करके 85,154.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 863.72 अंक की तेजी के साथ 85,290.06 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

डॉलर की तुलना में 9 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील होने की उम्मीद और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की लिवाली का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ-साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूत होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 9 पैसे उछल कर 87.84 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 87.93 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की तेजी के साथ 87.84 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की ताबड़तोड़ खरीदारी के कारण रुपया डॉलर की तुलना में उछल कर 87.75 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की मांग में तेजी आ गई, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा फिसल कर 87.96 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गई।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में भाई दूज के दिन भी गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आज लगातार चौथे दिन गिरावट दर्ज की गई है। आज के कारोबार में सोना 4,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। वहीं, चांदी आज 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुई इस कमी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,880 रुपये से लेकर 1,26,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,15,390 रुपये से लेकर 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बड़ी गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा

बाजार में आज 1,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,26,030 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,26,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,15,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बैंक अकाउंट में अब 4 नॉमिनी जोड़ पाएंगे:इससे क्लेम सेटलमेंट आसान होगा, नया नियम 1 नवंबर से लागू होगा

नई दिल्ली। बैंक कस्टमर अब अपने खाते में चार नॉमिनी जोड़ पाएंगे और ये भी तय कर पाएंगे कि किसे कितना हिस्सा मिलेगा और किसे पहले प्राथमिकता दी जाएगी। ग्राहक अपनी सुविधा के हिसाब से खाते में एक-एक करके या चारों नाम एक ही साथ जोड़ पाएंगे। सरकार ने बैंकिंग सिस्टम में क्लेम के एक समान और आसान निपटारे के लिए ये व्यवस्था शुरू की है। सेफ कस्टडी में रखी चीजों और सेफ्टी लॉकर्स के लिए सिर्फ एक्सेसिव नॉमिनेशन यानी एक के बाद एक नाम नॉमिनेट करने की इजाजत होगी। आज यानी गुरुवार (23 अक्टूबर) को वित्त मंत्रालय ने बताया कि बैंकिंग लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2025 के नॉमिनेशन से जुड़े मुख्य नियम 1 नवंबर से लागू होंगे। ये एक्ट 15 अप्रैल 2025 को नोटिफाई हुआ था।

सरकार बोली- इससे निपटारा और उत्तराधिकार में क्लेरिटी रहेगी- मंत्रालय ने कहा, 'ग्राहक चार नॉमिनी बना सकते हैं और हर नॉमिनी का हिस्सा या प्रतिशत तय कर सकते हैं। इससे सभी नॉमिनी के बीच ट्रांसपैरेंट बंटवारा होगा। जो लोग डिपॉजिट, सेफ कस्टडी में सामान या लॉकर रखते हैं, वो चार नॉमिनी बना

सकते हैं। अगर ऊपर वाला नॉमिनी नहीं रहा, तो अगला नॉमिनी काम करेगा। इससे निपटारा और उत्तराधिकार में क्लेरिटी रहेगी। अगले महीने से लागू हो रहे बैंकिंग कंपनियां (नॉमिनेशन) नियम 2025 में नॉमिनेशन बनाने, रद्द करने या एक से ज्यादा नॉमिनी तय करने के लिए प्रोसेस औरस फॉर्म होंगे जल्द जारी होंगे।'

इन बदलाव से आम आदमी को क्या मिलेगा:-

- बैंकों का कामकाज ज्यादा पारदर्शी और तेज होगा।
- आपके पैसे और लॉकर की सुरक्षा बढ़ेगी।
- नॉमिनेशन के नए नियमों से आपके परिवार को आसानी होगी।
- पुराने नियमों को आज के समय के हिसाब से अपडेट किया गया है, जिससे बैंकिंग अनुभव बेहतर होगा।

BSNL का सीनियर सिटीजन के लिए आया सस्ता प्लान:365 दिन की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड फ्री कॉलिंग, कीमत 1812

नई दिल्ली। भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने अपने सीनियर सिटीजन के लिए सस्ता एनुअल प्लान लॉन्च किया है। सरकारी टेलीकॉम कंपनी ने इस नए प्रीपेड प्लान की कीमत 1812 रुपए रखी है। कंपनी ने इसे बीएसएनएल सम्मान प्लान का नाम दिया है। इस प्लान को 60 साल से अधिक उम्र वाले मोबाइल यूजर्स रिचार्ज करा सकेंगे। BSNL की वेबसाइट के अनुसार, इस प्लान 365 दिन की वैलिडिटी के साथ पेश किया है। यूजर्स को हर दिन 2GB इंटरनेट डेटा मिलेगा। डेली 2GB डेटा खत्म होने के बाद भी आप 40kbps की स्पीड पर इंटरनेट चला सकेंगे। हालांकि, BSNL में 4G इंटरनेट डेटा मिलता है, जबकि अन्य कंपनियां 5G डेटा दे रही हैं। इसके अलावा अनलिमिटेड फ्री कॉलिंग और हर दिन 100 SMS भी मिलेंगे।

18 नवंबर तक ही खरीद सकेंगे नया प्लान- इस 1812 रुपए वाले BSNL प्लान में कंपनी की ओर से फ्री सिम कार्ड भी दिया जाएगा। वहीं, अगर सिम खरीदने वाला यूजर की उम्र 60 साल से ज्यादा है तो कंपनी उसे 6 महीने का BiTV सब्सक्रिप्शन भी फ्री देगी। BSNL सम्मान प्लान सीमित समय के लिए लाया गया है। यह 365 दिन वाला मोबाइल प्लान फिलहाल 18 नवंबर तक ही खरीदा

जा सकता है। BSNL के 25 साल पूरे होने पर कंपनी ने हाल ही में इंडिया में BSNL 4G सर्विस लॉन्च की है। वहीं पूरे देश में BSNL 4G सर्विस रोलआउट करते हुए और 92,600 नए मोबाइल टावर जारी करते हुए कंपनी पहले ही खराब नेटवर्क और नो सिग्नल की समस्या को काफी हद तक कम कर चुकी है।

BSNL के कस्टमर लगातार कम हो रहे- टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (TRAI) के जुलाई 2025 के आंकड़ों के अनुसार, BSNL और MTNL लगातार सब्सक्राइबर खो रही हैं। जुलाई में BSNL के 1.01 लाख ग्राहक कम हुए, वहीं MTNL के भी सब्सक्राइबर घटे। अब पब्लिक सेक्टर टेलीकॉम कंपनियों का मार्केट शेयर 8% से भी कम रह गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने जुलाई में सबसे ज्यादा 4.83 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़े हैं।

हुमा कुरैशी की नई फिल्म सिंगल सलमा का ऐलान

सनी सिंह-श्रेयस तलपड़े संग करेंगी कामेडी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी को इन दिनों फिल्म जाली एलएलबी 3 में देखा जा रहा है, जिसमें वह अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। उनकी यह फिल्म बाक्स आफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब हुमा की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम सिंगल सलमा है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान नचिकेत सामंत ने संभाली है। इसके साथ सिंगल सलमा की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। सिंगल सलमा 31 अक्टूबर, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी, फिल्म का पहला पोस्टर भा सामने आ गया है, जिसमें हुमा समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। पोस्टर में हुमा कुरैशी बिल्कुल सहज-स्वाभाविक अंदाज में नजर आ रही हैं. वे एक बेंच पर आराम से बैठी हैं, जैसे किसी गाड़ी का इंतजार कर रही हों. उनके बगल में एक पुराना-सा सूटकेस रखा है. वहीं, इसके पीछे की तरफ फिल्म के बाकी कलाकार खड़े दिख रहे हैं- शायद वे सलमा के जीवन के उन ट्विस्ट्स का प्रतीक हों, जो आने वाले सीन में धमाल मचाएंगे. निर्माताओं ने लिखा, लखनऊ और लंदन- दो शहर, दो लड़के और एक सवाल- आखिर कौन बनेगा सिंगल सलमा का बालमा, किससे होगी सलमा की शादी? फिल्म में सनी सिंह और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का प्रोडक्शन भी कम धांसू नहीं है. इसे प्रोड्यूस आलोक जैन, अजीत अंधरे, साकिब सलीम, 3 एंटरटेनमेंट, लालालैंड एंटरटेनमेंट और फिरुजी खान ने मिलकर किया है.

सुपर स्टार महेश बाबू ने किया जटाधारा का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज़

आखिरकार इंतज़ार खत्म हो चुका है और रहस्य और डर से भरी दुनिया जटाधारा का धमाकेदार ट्रेलर अब आधिकारिक रूप से लान्च हो चुका है, जिसे डिजिटली रिलीज़ किया है सुपरस्टार महेश बाबू ने। ट्रेलर रिलीज़ के साथ ही अब ये बात निश्चित हो चुकी है कि जटाधारा दर्शकों को एक गहरे, डरावने और शक्तिशाली सिनेमाई संसार में ले जाएगी। गौरतलब है कि वैंकट कल्याण द्वारा निर्देशित इस अलौकिक थ्रिलर में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिकाओं में हैं और दिव्या खोसला अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। जटाधारा एक ऐसी दुनिया की कहानी है, जहाँ काला जादू सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं बल्कि एक खतरनाक हथियार है, जो इंसानी नियंत्रण से परे शक्तियों को मुक्त करता है। भूली-बिसरी लोककथाओं में जड़ें जमाए यह कहानी महत्वाकांक्षा, लालच और प्राचीन अनुष्ठानों की परतें खोलती है, जो समय के साथ दफन नहीं हो पातीं। इसकी कहानी एक खजाने की खोज के रूप में शुरू होती है, और धीरे-धीरे एक भयावह अलौकिक दुनिया को उजागर करती है। इस अलौकिक दुनिया में न सिर्फ सदियों पुराने श्राप जाग उठते हैं, बल्कि बेचैन आत्माएँ अपना हक़ वापस लेने लौट आती हैं। इस संसार में आस्था और आधुनिकता के टकराव के साथ ही विश्वास तथा भय की सीमाएँ धुंधली पड़ती जाती हैं। ट्रेलर रिलीज़ के मौके पर जटाधारा के बारे में बात करते हुए निर्माता शिविन नारंग ने कहा, जटाधारा सिर्फ एक अलौकिक थ्रिलर नहीं है; यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों की उस गहराई में उतरने की यात्रा है, जहाँ मिथक सांस लेते हैं और अंधकार सुनता है। मैंने एक ऐसी दुनिया रचने की कोशिश की है, जहाँ हर अनुष्ठान में शक्ति होती है और हर दंतकथा की एक कीमत होती है। मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू ने अपनी बात साझा करते हुए कहा, यह मेरे करियर के सबसे गहन और चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। कहानी की गहराई और ऊर्जा कुछ ऐसी है जैसी मैंने पहले कभी महसूस नहीं की। इसके साथ ही फिल्म की मुख्य नायिका अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, जटाधारा को खास बनाता है, इसका अलौकिकता को मानवीय भावनाओं से जोड़ना। यहाँ डर केवल बाहर नहीं, बल्कि भीतर तक असर करता है और कहानी खत्म होने के बाद भी मन में बना रहता है। साऊथ सुपरस्टार महेश बाबू द्वारा डिजिटल ट्रेलर लान्च के बाद से ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। फैंस और इंडस्ट्री के लोग इसे हाल के समय की सबसे रोमांचक और विज़ुअली शानदार सुपरनैचुरल ट्रेलर्स में से एक बता रहे हैं। लोककथाओं के साथ काले जादू, प्राचीन श्रापों और खजाने के संगम से सजी फिल्म जटाधारा एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है, जहां विश्वास और भय, प्रकाश और अंधकार के बीच एक अद्भुत संघर्ष दिखाया गया है।

भागवत में जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे अरशद वारसी, सच्ची घटना पर आधारित है फिल्म, फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

अरशद वारसी की आगामी फिल्म का एलान हुआ है। इस फिल्म में वे पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म का नाम है भागवत। जी5 ने फिल्म का आधिकारिक एलान करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें अरशद वारसी पुलिस आफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दर्शकों को सस्पेंस और ड्रामा दोनों का डोज मिलेगा। फिल्म इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की कहानी पर आधारित है और यह रोल अरशद वारसी अदा कर रहे हैं। जी5 ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, हमने सोचा था कि 2025 के सभी प्लाट ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट यहां है... भागवत आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अक्षय शेरे के कंधों पर है। फिल्म को जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डाग एन बोन पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूसर कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के राबर्ट्सगंज की भयावह पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म सस्पेंस, इमोशन और ड्रामा का मिश्रण है। यह फिल्म जी5 पर रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं हुआ है। फिल्म भागवत में इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (वारसी) की कहानी है, जो एक सामान्य गुमशुदा महिला के मामले में उलझ जाता है। हालांकि, जांच जल्द ही धोखे, रहस्यों और संदिग्ध तस्करी के एक अंधेरे जाल में फंस जाती है। इस उथल-पुथल के बीच मीरा और एक प्रोफेसर समीर (जितेंद्र कुमार) के बीच प्यार पनपने लगता है। फिल्म के पोस्टर पर नेटिजन्स के दिलचस्प रिएक्शन आ रहे हैं। अरशद वारसी और जितेंद्र कुमार की जोड़ी को परदे पर देखने के लिए दर्शक उत्साहित हैं। एक यूजर ने लिखा, जीतू भैया और अरशद वारसी, यह फिल्म सुपरहिट है पक्का। एक यूजर ने लिखा, जीतू भैया के लिए यह फिल्म जरूर देखेंगे।

अमायरा दस्तूर ने रेड ड्रेस में दिखाया हाटनेस का नया लेवल, किलर पोज से मचाई सनसनी

एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी हाट और ग्लैमरस तस्वीरों से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. इस बीच उनका लेटेस्ट फोटोशूट सामने आया है, जिसमें वह हाटनेस का नया लेवल दिखाती नजर आ रही हैं. इन फोटोज में वह रेड कलर की टाप और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं. उनका यह बोल्ड और स्टाइलिश लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है. एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी हाट और ग्लैमरस तस्वीरों से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. इस बीच उनका लेटेस्ट फोटोशूट सामने आया है, जिसमें वह हाटनेस का नया लेवल दिखाती नजर आ रही हैं. इन फोटोज में वह रेड कलर की टाप और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं. उनका यह बोल्ड और स्टाइलिश लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है. अमायरा की इन फोटो को सोशल मीडिया पर काफी लाइक्स और कमेंट्स मिल रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, तू मेरे मैं तेरे सामने जब तलक... ये जमीन ये फलक खूबसूरत लगे. दूसरे ने लिखा, कैसे तारीफ करूं आपकी तारीफ शब्द कम है आपके लिए. एक ने तो यह तक कह दिया, मैं व्रत करने को तैयार हूं, भगवान से मैं ये मागूंगा जीएफ हो तो आपके जैसी हो. अमायरा दस्तूर की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं. उनके फैंस और फालोअर्स उनकी खूबसूरती और स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं. अमायरा ने अपनी लेटेस्ट फोटोज से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है. अमायरा दस्तूर ने इन तस्वीरों में अपनी अदाओं से फैंस को दीवाना बना दिया है. वह हर तस्वीर में एक अलग और शानदार पोज दे रही है, जो उनकी स्टाइलिंग और कान्फिडेंस को दर्शाता है. उनका यह लुक काफी यूनिक और ग्लैमरस है. अपनी हाटनेस और ग्लैमरस लुक से अमायरा ने इंस्टाग्राम पर तहलका मचा दिया है. उनकी ये तस्वीरें बताती हैं कि वह अपने फैंस को सरप्राइज देने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं. उनकी इस लेटेस्ट पोस्ट ने सभी को दीवाना बना दिया है.

जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा 2 का एलान, मेकर्स ने जारी किया पोस्टर

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने एक बार फिर दर्शकों को सरप्राइज दिया है। उनकी ब्लाकबस्टर फिल्म देवरा के रिलीज़ हुए एक साल पूरे होने के मौके पर इसके सीक्वल देवरा 2 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। यह खबर सामने आते ही फैंस सोशल मीडिया पर जश्न मना रहे हैं। पिछले साल 27 सितंबर को रिलीज हुई देवरा को तेलुगु सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन-ड्रामा फिल्मों में गिना गया। फिल्म में जूनियर एनटीआर ने पिता और बेटे दोनों की भूमिकाएं निभाईं, जिसे दर्शकों ने बेहद सराहा। निर्देशक कोराटाला शिवा की कहानी और शानदार प्रस्तुति ने फिल्म को यादगार बना दिया। रिलीज़ के बाद से ही चर्चा होने लगी थी कि कहानी अधूरी है और सीक्वल बनना तय है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि एक साल पहले जब सिनेमा में तूफ़ान उठा था, उसकी गूंज आज भी सुनाई देती है। अब वक्त है उस तूफान की अगली लहर का। इस ऐलान ने फैंस के बीच देवरा 2 को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। पहली फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान ने तेलुगु इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया था। इसके अलावा प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टाम चाको, नरेन, कलैयारासन और मुरली शर्मा जैसे सितारे भी फिल्म का हिस्सा थे। इन सभी की शानदार अदाकारी ने फिल्म को और भी मज़बूत बनाया। उम्मीद की जा रही है कि सीक्वल में भी यह कास्ट दर्शकों को देखने को मिलेगी। हाल ही में जूनियर एनटीआर बालीवुड फिल्म वार 2 में भी नजर आए, जिसने उनके स्टारडम को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत किया। ऐसे में देवरा 2 उनके करियर की सबसे हाई-प्रोफाइल फिल्मों में गिनी जा रही है। पहली फिल्म के अंत में जिस तरह का क्लिफहैंगर दिखाया गया था, उसने दर्शकों को सीट से हिलने नहीं दिया। अब सीक्वल से यह उम्मीद की जा रही है कि अधूरी कहानी पूरी होगी और एक्शन व इमोशन का डोज पहले से कहीं ज्यादा देखने को मिलेगा।

डाली सिंह ने इंस्टाग्राम पर किया वो कारनामा, जो भारत का कोई क्रिएटर ना कर सका

कंटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री डाली सिंह फिर चर्चा में हैं। इंफ्लुएंसर से अभिनेत्री बनीं डाली ने अब एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है कि न सिर्फ देश, बल्कि दुनियाभर में उनका डंका बज रहा है। दरअसल, वो इंस्टाग्राम का ग्लोबल 2025 रिंग्स अवार्ड पाने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर डाली ने ये पुरस्कार जीतकर भारत का मान दुनियाभर में रोशन कर दिया है। क्या है ये पुरस्कार और कौन हैं डाली सिंह, आइए जानें। इंस्टाग्राम ने 2025 रिंग्स विजेताओं की घोषणा कर दी है और दुनियाभर के 25 विजेताओं में से डाली भारत की एकमात्र विजेता हैं, जिन्हें ये सम्मान मिला है। इस महीने की शुरुआत में ही इंस्टाग्राम ने रिंग्स नाम के इस पुरस्कार की शुरुआत की, जो उन क्रिएटर्स को सम्मानित करने के लिए बनाया गया है, जो न सिर्फ ओरिजनल कंटेंट बनाते हैं, बल्कि साथ ही साथ रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाने का साहस भी करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रिंग्स ऐसा पुरस्कार है, जो इंस्टाग्राम उन क्रिएटर्स को देता है, जो बिना डर के नए और अलग तरीके से कंटेंट बनाते हैं। ये पुरस्कार किसी खास कंटेंट को नहीं, बल्कि क्रिएटर के जज्बे को सम्मान देता है। ये उन लोगों के लिए है, जो सिर्फ चलन का हिस्सा नहीं बनते, बल्कि उन्हें बदलते हैं, हर रुकावट को पार करते हैं और अपने सपनों को पूरा करने की हिम्मत दिखाते हैं। डाली उन्हीं में से एक हैं। डाली ने कहा, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। ये मेरे करियर के सबसे बड़े पलों में से एक है। जब भी इसके बारे में सोच रही हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

ntest CBI clean chit to Rhea Chakraborty

New Delhi, Agency: Late actor Sushant Singh Rajput's family has decided to legally challenge the Central Bureau of Investigation's closure report on his sudden death in 2020, calling it "incomplete" and "flimsy."

The move comes after the closure report stated that there was no evidence to suggest that actor Sushant Singh Rajput was confined, threatened, or that any wrongdoing was committed by actor Rhea Chakraborty or others accused in the case.

According to the report, accessed by HT, it also stated that there was no evidence to suggest that Rhea had embezzled his funds or possessions.

Why did SSR's family reject the CBI closure report?

Sushant Singh Rajput's family and their lawyer, Advocate Varun Singh, have rejected the findings outright, describing the closure report as a superficial exercise and have decided to challenge it in court.

"This is nothing but an eyewash. If CBI really wanted to come out with the truth, it would have submitted all the supporting case documents, including chats, technical records, statements of witnesses, medical records, etc, in the court along with the final (closure) report, which they have not done. We will file a protest petition against this closure report, which is based on a shoddy investigation", Singh said.

Rajput's family also believes that the investigation has major gaps. Advocate Varun Singh criticised the CBI for failing to provide key evidence, such as bank statements or digital data, to substantiate its claims about no embezzlement.

"Simply saying Sushant Singh's account has not been used to take out funds is not enough. CBI should have provided the bank statement to back its claim. It's a flimsy report, which won't stand in the court of law," Singh said.

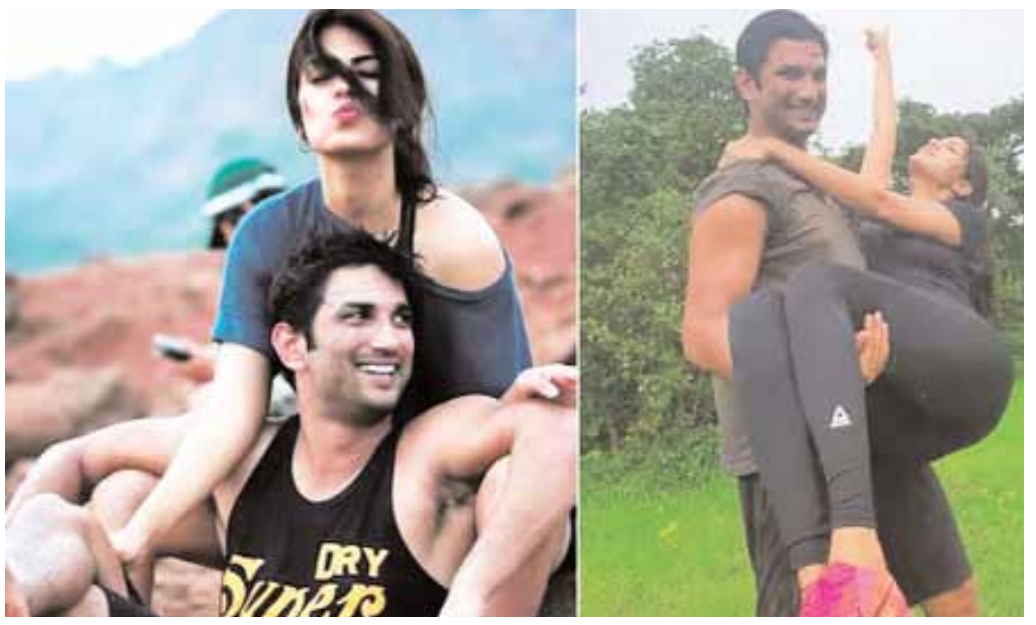

What does the CBI closure report say. The CBI had submitted two closure reports in March this year -- one about the case filed by Rajput's father, KK Singh, in Patna, alleging that Rhea and her family drove his son to suicide and misused his finances; the second involved a counter-case Rhea filed against Rajput's sisters in Mumbai.

"Investigation revea led that Sushant had committed suicide. None of the accused persons had lived/stayed with him between June 8, 2020 and June 14, 2020 (the day he was found hanging in his Bandra flat). Rhea and her brother Showik left the house on June 8, and thereafter didn't visit the house. Sushant had spoken to Showik on June 10 through WhatsApp at 1441 hours, but had no conversations with Rhea between June 8 and June 14. Evidence had not come on record to show that Sushant had met with Rhea or any of her family members or had been in touch with them by any other means. Shruti Modi had stopped visiting Sushant's house since she fractured her leg in February. Furthermore, Meetu Singh (sister of Sushant) had stayed with him in his flat from June 8 to June 12," said an officer, quoting details of the closure report.

Regarding allegations of theft and embezzlement of funds by Rhea, the agency said that "when Rhea and her brother left Sushant's house on June 8, she took away her Apple laptop and Apple wristwatch, which were gifted to her by Sushant. No evidence has emerged during the probe about any property dishonestly taken out of the possession of Sushant without his knowledge by Rhea or any other accused person". The CBI report also noted that Rajput's finances were managed by his .

chartered accountant and lawyer, and that his expenditures on Rhea, including a 2019 Euro pean trip, were made at his own instruction."He even told Sidharth Pithani (Sushant's flatmate) that Rhea was part of the family. Therefore, expenses on Rhea cannot be brought under the ambit of Section 420 of the Indian Penal Code. Further, the evidence doesn't suggest/indicate any movable property being delivered to Rhea by inducing or deceiving Sushant", the closure report states, according to the second officer.

Massive fire at Mumbai's Jogeshwari West building, people stranded on top floor

Mumbai, Agency: A massive fire broke out at the JMS Business Centre in Mumbai's Jogeshwari West area on Thursday, triggering panic among occupants. Fire officials rushed to the spot soon after receiving the alert, and multiple fire engines have been deployed at the site.

Visuals from the scene showed people stranded on the top floor of the commercial building as firefighters worked to rescue them.According to the Brihanmumbai Municipal Corporation's (BMC) Mumbai Fire Brigade (MFB), the incident has been declared a Level-II call.

PM Modi to lead Sardar Patel's birth anniversary celebrations at Statue of Unity on Oct 31

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi will visit the Statue of Unity in Gujarat's Narmada Valley on October 31 to lead the birth anniversary celebrations of Sardar Vallabhbhai Patel.

PM Modi had inaugurated the world's tallest statue dedicated to the nation's first home minister on Patel's 143rd birth anniversary at Kevadiya in the Narmada district in 2018.

The 182-metre steel and bronze Statue of Unity is nearly twice the height of New York's iconic Statue of Liberty. The statue is situated on Sadhu Bet, a hillock between the Vidhyanchal and Saputara ranges located 3.5 km downstream of the iconic, 138-metre-high Sardar Sarovar Dam.

Michael Graves Architecture and Designs, Turner Construction and Larsen & Toubro executed the project. Four thousand workers toiled for years to raise the historic

structure.

Under the Loha (iron) campaign, an agricultural tool each was collected from around 700,000 villages across India, which was melted and used in the statue. In total, 135 tonnes of iron were donated by farmers to support the project. More than 5,000 bronze panels, made in China, were shipped to build the statue.

The base of the Statue of Unity features an exhibit floor, housing a memorial garden and museum on a multimedia platform. Two elevators from here carry 40 people each at a time to visit the viewing gallery, located at approximately 157 metres, around chest level.

The visitor's gallery offers a view of the Satpura and Vidhyanchal mountain ranges where Gujarat's border converges with Madhya Pradesh and Maharashtra.

National Unity Day

India marks the Rashtriya Ekta Diwas or National Unity Day every year on October 31, to honour the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel.

The vision and determination of Patel, known as the Iron Man of India, laid the foundation for a united India. His leadership played a pivotal role in uniting more than 560 princely states after India achieved independence and became the sovereign nation we know today.

Patel once said, "Manpower without unity is not a strength unless it is harmonised and united properly, then it becomes a spiritual power."

Influencer with over 50M followers lo-ses 50 lakh to cyber fraud. Here's how

New Delhi, Agency: A popular Instagram creator from Jabalpur, Madhya Pradesh, has fallen victim to a digital extortion racket that preyed on his fear of losing his massive online following. It marks the first of its kind cybercrime in the region.

Azim Ahmed, a 28-year-old social media influencer and entrepreneur from Jabalpur, is a popular figure. According to an NDTV report, he lost ?50 lakh to fraudsters who threatened to "strike" and "ban" his Instagram accounts if he did not comply with their demands.

Ahmed, who has more than 57 million followers across 96 Instagram pages, has filed a complaint with the Jabalpur Cyber Cell. The culprits, however, remain unidentified and at large.

Fearing that he would lose his page, which is now his primary source of income, Ahmed paid the extortionists up to ?50 lakh repeatedly and, over time.

A software engineer turned digital entrepreneur, Ahmed built his

online presence from the ground up. He created his first Instagram page in 2017 as his shot at fame during the COVID-19 lockdown in 2021.

Encouraged by the success, he later co-founded a digital marketing startup, Whoopy Digital, with friends.

But the success has now brought sleepless nights. "For almost a year, I have been receiving fake copyright strikes and threats. They claim my posts are their content and say if I don't pay, my accounts will be deleted," Ahmed said.

The threats escalated from online messages to phone calls and even fake emails imitating Instagram's content moderation system. "They call themselves mediators. A caller from Pune demanded ?25,000 to 30,000 to remove fake strikes," he said. According to Jabalpur Cyber Cell in-charge Neeraj Negi, this is the first reported case in the city where fraudsters have extorted money by threatening creators with fabricated content strikes.

This is a new-age cybercrime trend. Fraudsters are exploiting Instagram's automated content systems. Once a user receives multiple fake strikes, their account faces suspension," Negi said.

Negi added that the Cyber Cell has reached out to Instagram's internal team to trace how these fake bans are being triggered and to identify those behind the extortion racket.

Cow vigilante shot in Hyderabad, BJP leaders claim accused linked to AIMIM

New Delhi, Agency: A cow vigilante was allegedly shot by a cow smuggling mafia in Hyderabad's Ghatkesar area on Wednesday. The cow vigilante was reportedly lured by a group claiming to have information on cow transportation. However, when he arrived on the scene, one of the individuals opened fire, leaving him critically injured.

He was lured to the scene by people claiming to have information on cow transportation, who later opened fire on him. Police have since identified and detained suspects, with investigations ongoing in the case.

The cow vigilante, identified as Sonu, is now battling for his life, and his mother says she can "sacrifice 10 more sons" for the cause. Sonu has been protecting cows for 5-6 years. Speaking to news agency , Sonu's mother said that he had called her up and told her that he had been shot in Ghatkesar. She further demanded that the government arrest the perpetrators.

Reacting to the incident, BJP leaders from Hyderabad alleged that the accused was linked to the AIMIM. BJP leader Madhavi Latha accused the AIMIM of involvement, urging swift justice.

Showing a picture, she said that the man in the picture shot Sonu. "It has become clear who he is," she said. She alleged that if the police don't arrest the culprit and present them in court, they are also helping. "I challenge Revanth Reddy to prove that if he has the guts, he will do justice to Prashant...Prashant is battling for his life," Latha told .

Also read: Cattle smuggler held after encounter: Police. Meanwhile, Union Minister G Kishan Reddy called for an end to mafia activities, alleging police complicity. Reddy said that he spoke to the DGP, who told him that this is the first incident in Telangana. He further said that stopping mafia activities is the responsibility of the Police, "but they don't do their work.Police are colluding with these mafias."

State BJP President N Ramchander Rao claimed the incident was orchestrated by "AIMIM goons" to discourage the BJP and the RSS workers from taking part in 'gauraksha' or protection of cows. BJP condemns this attack on our workers, and BJP condemns the police action also for not taking action against the MIM workers...Due to the protection given by the Congress government, these people are doing such activities," Rao told.

In a first, 150 indigenous dogs are getting commando op training

New Delhi, Agency: Over 150 indigenous Rampur Hound and Mudhol Hound dogs are being trained for the first time by the Border Security Force (BSF) to undertake high-risk commando operations across India's eastern and western frontiers and in Left Wing Extremism (LWE)-affected areas, officials aware of the development said.

Launched in 2018 following Prime Minister Narendra Modi's visit to the BSF's National Training Centre for Dogs in Tekanpur, Madhya Pradesh, the initiative aims to promote the use of Indian dog breeds in security operations.

During his visit, the PM had emphasised the importance of recognising and utilising indigenous dog breeds within national security forces, following which the BSF initiated a programme to identify, develop, and deploy these native breeds in operational roles.

BSF inducted two Indian breeds the Rampur Hound and the Mudhol Hound. Known for their agility, endurance, adaptability, and resilience, as these breeds are well-suited to India's diverse geo-climatic conditions. Their natural disease resistance, hardiness, and low maintenance needs make them particularly effective in demanding field environments.

Among the many native breeds, the Rampur Hound and the Mudhol Hound stand out for their historical significance and good working abilities," said an official aware of the matter, adding that the force has also started breeding the dogs, and expanded to subsidiary K9 training centres, to ensure large-scale development and deployment of Indian breed dogs across the force.

He added that the effectiveness of Indian dog breeds was proven during the All India Police Duty Meet 2024 in Lucknow, where Riya, a Mudhol Hound, became the first Indian-bred dog to win both the Best in Tracker Trade and Best Dog of the Meet titles, outperforming 116 foreign-bred competitors.

A senior officer aware of the matter told news agency PTI that "about a dozen Indian breed dogs are being trained for the first time in undertaking precarious commando operations along with their handlers..."